जनता की आवाज, जनता का आदेश
राष्ट्रीय जनादेश
Janadesh2012@gmail.com
RNI NO. 69078/98
बैतूल, गुरूवार 23 सितंबर 2021 « वर्ष-24 « अंक-242 « पृष्ठ -04 « मूल्य-1 रू.

स्थानीय निकायों को 26 सितंबर को देना होगा शत प्रतिशत वैक्सीनेशन प्रमाण पत्र

बैतूल (राष्ट्रीय जनादेश)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 26 सितंबर तक प्रदेश के सभी वयस्क नागरिकों को कोविड की फर्स्ट डोज लगाने की घोषणा करने के बाद अब ग्राम पंचायत से लेकर नगर निगम तक सभी स्थानीय निकायों को उनके क्षेत्र में मौजूद सभी वयस्क नागरिकों को शत प्रतिशत वैक्सीनेशन का प्रमाण पत्र देना होगा। जिसमें गांव से बाहर गए नागरिकों की संख्या, गंभीर रूप से बीमार नागरिकों की संख्या भी दर्ज की जाएगी। जिले की सभी ग्राम- नगर पंचायतों, नगर पालिका, नगर निगम से प्राप्त प्रमाण पत्र के आधार पर कलेक्टर को 28 सितंबर तक जिले में शत प्रतिशत वैक्सीनेशन का प्रमाण पत्र देना होगा। 26 सितंबर तक शत प्रतिशत वयस्क नागरिकों को फर्स्ट डोज लगाने स्वास्थ्य विभाग के साथ ही जिला प्रशासन की टीम भी लगातार प्रयास कर रही है।

« गांव में मौजूद सभी वयस्क नागरिकों को लगवानी होगी फर्स्ट डोज

चार प्रारूप में बनेंगे प्रमाण पत्र

शत प्रतिशत वैक्सीनेशन के प्रमाण पत्र चार प्रारूप में तैयार किए जाएंगे। जिसमें प्रारूप अ में ग्राम पंचायत और नगर पंचायत द्वारा जानकारी दी जाएगी। ग्राम पंचायत में सरपंच सचिव और नगर पंचायत में अध्यक्ष और मुख्य नगर पंचायत अधिकारी द्वारा प्रारूप अ में जानकारी दी जाएगी। इसी प्रकार नगरपालिका और नगर निगम में सीएमओ द्वारा प्रारूप ब में प्रत्येक वार्ड की जानकारी और प्रारूप स में सपूर्ण शहर की जानकारी दी जाएगी वहीं जिलेभर की जानकारी एकत्र होने के बाद कलेक्टर द्वारा जिले भर की जानकारी प्रारूप द में दी जाएगी। इस सभी प्रमाण पत्र को क्राइसेस मेनेजमेंट कमेटी से सोशल ऑडिट भी करवाना होगा।

यह देनी होगी जानकारी

सभी प्रारूप में स्थानीय निकायो को ग्राम, नगर, नगरपालिका वार्डो और नगरपालिका क्षेत्र की संपूर्ण जनसंख्या, 18 साल से अधिक आयू वालों की अनुमानित जनसंख्या, मतदाता सूची में दर्ज कुल मतदाताओं की जानकारी देने के साथ ही वैक्सीन का प्रथम डोज लगाने वाले नागरिकों की संख्या देनी होगी। इसके साथ ही रोजगार, पढाई, नौकरी या अन्य कारणों से गांव, नगर से बाहर जाने वाले नागरिकों की संख्या, गंभीर बीमारी से ग्रस्त नागरिकों की संख्या अलग से देने के साथ ही गांव में मौजूद सभी वयस्क नागरिकों को शत प्रतिशत प्रथम डोज वैक्सीनेशन प्रमाण पत्र

देना होगा। इस प्रमाण पत्र को स्थानीय क्राइसेस मैनेजमेंट समूह से भी सत्यापित करवाना होगा। प्रारूप अ, ब, स का संधारण जिला स्तर पर होगा। इसके आधार पर कलेक्टर द्वारा प्रारूप द तैया करवाकर जिला क्राइसेस मैनेजमेंट समूह से सोशल ऑडिट करवाने के बाद 28 सितंबर के पूर्व मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को भेजा जाना होगा।

प्रबंधन में लेने के बावजूद अवैध कॉलोनी में कराए जा रहे थे विकास कार्य

फाइव स्टार डेवलपर्स के पांच पार्टनरों के खिलाफ होगी FIR

बैतूल (राष्ट्रीय जनादेश)। अवैध कॉलोनियों को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सख्त रवैया अख्तियार करने के बावजूद कॉलोनाइजर नियम निर्देशों का खुला माखौल उड़ा रहे है। नियम निर्देशों का उल्लंघन करने वाले के खिलाफ अब प्रशासन ने आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की कार्यवाही शुरू कर दी है। प्रबंधन में ली गई अवैध कॉलोनी में विकास एवं निर्माण कार्य करने वाले कॉलोनाइजर फाईव स्टार डेव्हलपर्स के पांच पार्टनरों के खिलाफ बैतूल एसडीएम सीएल चनाप ने एफआईआर दर्ज करवाने के निर्देश नायब तहसीलदार कीर्ति प्रधान को दिये है।

प्रबंधन के बाद भी बना रहे थे रोड, नाली

बैतूल एसडीएम सीएल चनाप ने बताया कि कॉलोनाइजर फाइव स्टार डवलपर्स द्वारा बडोरा के खसरा क्रमांक- 14/2, 15/2 के 2.396 हेक्टेयर रकबे में अवैध कॉलोनी का निर्माण किया जा रहा था। परिणाम स्वरूप 4 जून 2021 को उक्त कॉलोनी को अंतरिम रूप से प्रबंधन में लिया गया था। प्रबंधन में लिए जाने के बावजूद कॉलोनाइजरों द्वारा अवैध कॉलोनी में विकास निर्माण कार्य करने की शिकायते जिला प्रशासन को मिल रही थी। एसडीएम ने बताया कि उक्त प्रकरण में हल्का पटवारी से मौके का प्रतिवेदन मांगा गया था। पटवारी द्वारा दिये गये प्रतिवेदन में अवैध कॉलोनी में सीमेंट रोड, नाली, पानी की टंकी तथा बिजली कार्य किया जाना पाया गया।

इनके खिलाफ दर्ज होगी एफआईआर

बैतूल एसडीएम श्री चनाप ने बताया कि हल्का पटवारी के प्रतिवेदन के बाद यह सामने आया कि कॉलोनाइजर द्वारा मप्र राजपत्र दिनांक 24 दिसंबर 2014 कॉलोनी विकास नियग 2014 के अध्याय तीन के अनुसार कॉलोनी विकास अनुज्ञा लिये कॉलोनी में विकास कार्य किया है। जो कि आपराधिक कृत्य एवं दण्डनीय है।

बैतूल एसडीएम ने उक्त मामले में कॉलोनाइजर फाईव स्टार डेवलपर्स के पाटनर्स भुवन पिता हरकचंद शेष पेज 2 पर..

फोरलेन डिवाइडर में नहीं लगाए पौधे, गाजर घास का बना बगीचा

« मवेशियों के घास खाने आने से रहती है हादसे की आशंका

बैतूल (राष्ट्रीय जनादेश)। बैतूल से भोपाल तक बन रही फोरलेन सड़क में भारत भारती से बागदेव तक सड़क निर्माण कर रही पूना की जितेन्द्र सिंह कंपनी द्वारा सड़क निर्माण में तो देरी की ही जा रही है जितनी सड़क बन गई है उसे भी पूरा नहीं किया जा रहा है। जितनी सड़क पूरी बन गई है उसमें भी डिवाइडर में पौधे नहीं लगाए गए जिससे दोनों सड़कों के बीच बने डिवाइडर में घास और गाजरघास के बगीचे तैयार हो गए है। डिवाइडर में लगी घास खाने आए दिन मवेशी फोरलेन सड़क पर आ जाते है जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। फोरलेन सड़क पर मवेशियों के आ जाने से पूर्व में भी कई सड़क हादसे हो चुके है।

भारत भारती से बागदेव (इटारसी) तक फोरलेन सड़क बनाने का ठेका पूना की जितेन्द्र सिंह कंपनी को मिला है। कंपनी द्वारा निर्धारित समय सीमा पूर्ण हो जाने के बावजूद अभी आधा काम भी नहीं किया गया। कंपनी द्वारा भारत भारती से होटल मेघना पाढर तक फोरलेन सड़क भी बना ली है। लेकिन इसे पूर्ण नहीं किया गया है। फोरलेन की दोनों सड़कों के बीच लगभग दस फीट चौड़े डिवाइडर बनाए गए है। कंपनी को इन डिवाइडर में फूलदार पौधे लगाना है। लेकिन कंपनी द्वारा साकादेही से पाढर के बीच डिवाइडर में एक भी पौधे नहीं शेष पेज 2 पर..

भैंसदेही में हो गई रिकार्ड 57 इंच बारिश

- **जिले की औसत सामान्य वर्षा से 14 इंच अधिक हुई बारिश**
- **जिले में औसत बारिश का आंकड़ा 37.88 इंच पहुंचा**

बैतूल (राष्ट्रीय जनादेश)। जिले के भैंसदेही क्षेत्र में लगातार हो रही झमाझम बारिश से वहां रिकार्ड 57 इंच बारिश हो चुकी है। जो वर्षाकाल में जिले में होने वाली औसत सामान्य वर्षा से 14.35 इंच है। बैतूल जिले के औसत सामान्य बारिश 42.67 है। मंगलवार को भैंसदेही क्षेत्र में 4 इंच से अधिक बारिश हुई। बुधवार तक बैतूल जिले में औसत बारिश का आंकड़ा 37.88 इंच शेष पेज 2 पर..

जिले में बारिश की तुलनात्मक स्थिति (इंच में)

विकासखंड	इस वर्ष हुई बारिश	गत वर्ष हुई बारिश
बैतूल	31.47	36.51
घोड़ाडोंगरी	43.24	46.38
चिचोली	37.27	51.15
शाहपुर	35.73	39.55
मुलताई	34.17	53.35
प्रभातपट्टन	34.87	29.81
आमला	39.17	43.03
भैंसदेही	57.02	50.29
आठनेर	23.88	31.77
भीमपुर	42.04	47.12
औसत वर्षा	37.88	42.85

जिले की औसत सामान्य वर्षा - 42.67 इंच
गत वर्ष जिले में हुई औसत बारिश - 48.70 इंच

पिस्टल बेचने का प्रयास करते दो सगे भाई सहित तीन पकड़ाएं

बैतूल (राष्ट्रीय जनादेश)। शहर के फांसी खदान क्षेत्र में पुलिस ने अवैध रूप से पिस्टल बेचने का प्रयास कर रहे दो सगे भाईयों को दबोच लिया। पुलिस ने दोनों के पास से एक-एक पिस्टल बरामद की वहीं इन्हें पिस्टल बेचने वाले एक नागरिक को भी दबोच लिया। पुलिस तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

कोतवाली टीआई रत्नाकर हिंगवे ने बताया कि पुलिस अधीक्षक सिमाला प्रसाद द्वारा शहर में अवैध धंधों में लिप्त असामाजिक तत्वों, गुण्डे, बदमाशों के विरूद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई करने निर्देशित किया था। जिसके पालन में एएसपी नीरज सोनी, एसडीओपी नितेश पटेल के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। श्री हिंगवे ने बताया उन्हें सूचना मिली की फांसी खदान क्षेत्र में पानी की टंकी के पास पिस्टल बेचने का प्रयास कर रहे है। सूचना मिलते ही विशेष टीम बनाकर भेजी गई। टीम ने पानी टंकी के पास दो लड़को को पकड़ा। उनकी तलाशी ली गई। जिसमें विक्की उर्फ उमेश पिता सुरेश पाल (25) निवासी सांई मंदिर के पास कोठीबाजार बैतूल की कमर में एक शेष पेज 2 पर..

किराए से देना है
मेन रोड, बैतूल गंज में ओम मेडिकल स्टोर्स के बाजू में शोरूम/ आफिस/ बैंक हेतू 1800 वर्गफीट का हॉल एवं दुकानें किराए से देना है. 2909
मो. 9826240852 9617008152

नंदकिशोर सिंह पटेल मेमोरियल एजुकेशन ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट बैतूल
D.Ed. प्रथम च्वाईस में चयन करें
कॉलेज कोड-66207
केन्द्र शासन द्वारा NCVT एवं DGET द्वारा मान्यता प्राप्त Reg.No. 6/12/130/2014/TC
श्री एन.के.पटेल प्रा. ITI
प्रवेश प्रारंभ योग्यता-10वीं पास
इलेक्ट्रिशियन-2 वर्ष (10000 रू.प्रतिवर्ष)
माँ शांतादेवी कॉलेज ऑफ फार्मेसी D फार्मेसी
DIPLOMA IN PHARMACY (2YEAR)
(12TH BIO/MATHS) FOR YEAR 2021-22
प्रवेश प्रारंभ पताः इटारसी रोड, बैतूल मो. 9425003213, 7000863213 प्रवेश प्रारंभ

संपादकीय

नर्सों की भी सोचिए

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) और पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफआई) की ओर से जारी की गई हालिया स्टडी रिपोर्ट देश में डॉक्टरों और नर्सों तथा सहायक स्वास्थ्यकर्मियों के बीच कम अनुपात का जायजा लेते हुए बताती है कि कोरोना महामारी की चुनौतियों से जूझना इस कमजोर स्वास्थ्य ढांचे के लिए कितना मुश्किल रहा होगा। भारत में नर्सों और डॉक्टरों का अनुपात 1.7:1 है यानी हर एक डॉक्टर पर 1.7 नर्स। यह अनुपात कितना कम है, इसका अंदाजा इस तथ्य से मिलता है कि ओईसीडी (ऑर्गनाइजेशन फॉर इकॉनमिक को-ऑपरेशन एंड डिवेलपमेंट) देशों का औसत अनुपात 4ः1 है यानी हर एक डॉक्टर पर चार नर्स। अपने यहां तस्वीर तब और चिंताजनक हो जाती है, जब इसमें क्वॉलिटी का फैक्टर जोड़ दिया जाता है। क्वॉलिफिकेशन का ख्याल रखते हुए देखा जाए तो यह अनुपात 1:1. 3 बैठता है यानी 1.3 डॉक्टरों पर एक नर्स। डॉक्टर से भी कम नर्स। बहरहाल, औसत अनुपात के ये आंकड़े भी जमीनी हकीकत का ठोस अंदाजा नहीं देते। अलग-अलग राज्यों में एकदम अलग-अलग स्थिति है। कुछ राज्यों में डॉक्टर ज्यादा हैं तो कुछ अन्य राज्यों में नर्सों की संख्या अधिक है। उदाहरण के लिए, एक तरफ पंजाब और दिल्ली जैसे राज्य हैं जहां नर्सों और डॉक्टरों का अनुपात क्रमशः 6.4 और एक एवं 4.5 और एक का है तो दूसरी तरफ बिहार और मध्य प्रदेश जैसे राज्य हैं जहां प्रति डॉक्टर एक नर्स का भी अनुपात नहीं बैठता। केरल में सबसे ज्यादा नर्सें हैं। लेकिन वहां भी हॉस्पिटलों और स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति बेहतर नहीं है। इसका पता तब चलता है जब वर्कर नर्सों की संख्या देखी जाए। वर्कर नर्सों और डॉक्टरों का अनुपात वहां भी एक और एक का ही है। वर्कर नर्सों से मतलब उन नर्सों से है, जो पंजीकृत होने के साथ-साथ सक्रिय भी हों। दिलचस्प तथ्य यह है कि कई राज्य जो डॉक्टर और नर्स अनुपात के आंकड़ों के लिहाज से काफी अच्छी स्थिति में नजर आते हैं, स्वास्थ्य सेवाओं की क्वॉलिटी के मामले में उतना अच्छा मानक नहीं दर्शा पाते। उदाहरण के लिए दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य। यहां डॉक्टर और नर्सों का अनुपात अगर अच्छा नजर आता है तो उसकी वजह नर्सों की पर्याप्त संख्या नहीं बल्कि डॉक्टरों की कम संख्या है। इन राज्यों में प्रति दस हजार आबादी पर एक डॉक्टर हैं। नर्सों का हाल भी खास अच्छा नहीं है। देश में प्रति 670 लोगों पर एक नर्स का अनुपात बैठता है जबकि डब्ल्यूएचओ का मानदंड प्रति 300 लोगों पर एक नर्स का है। इस संदर्भ में देखें तो स्वास्थ्य ढांचे में सुधार के लिहाज से अपने देश में चर्चा हमेशा डॉक्टरों की कमी की ही होती है। उस कमी को पूरा करना भी जरूरी है, लेकिन समझना होगा कि नर्सों और सहायक स्वास्थ्यकर्मियों का अनुपात ठीक किए बिना स्वास्थ्य सेवाओं का ऊंचा स्तर सुनिश्चित करना मुमकिन नहीं है।

वार्ड पार्षद की समझाइश के बाद कमलेश ने लगाया वैक्सीन का पहला डोज

चिचोली (राष्ट्रीय जनादेश)। विगत 15 दिन से नगर परिषद चिचोली के वार्ड क्रमांक 2 में निवासरत एक शख्स नगर परिषद एवं वैक्सीनेशन दल को वापस कर रहा था, लेकिन आखिरकार वार्ड पार्षद की समझाइश के बाद युवक ने वैक्सीन लगाकर अपने मन में वैक्सीनेशन को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर किया है।

जानकारी के मुताबिक भगत सिंह वार्ड क्रमांक 2 निवासी कमलेश सोनी द्वारा विगत 15 दिवस से वैक्सीनेशन दल के द्वारा किए जा रहे प्रयासों और समझाईश के बाद भी कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु प्रथम डोज नहीं लगवा रहा था और वैक्सीनेशन दल को वापस जाने को मजबूर होना पड़ रहा था। नगर परिषद चिचोली के कर्मचारी एवं वैक्सीनेशन दल के लगातार प्रयासों के बाद आखिरकार गुरुवार को वार्ड पार्षद श्रीमती ज्योति जीवन पानकर की समझाइश के बाद कमलेश सोनी ने वैक्सीन का प्रथम डोज लगवा ही लिया।

नगर परिषद के कर्मचारी रविंद्र प्रताप शाह ने बताया कि नगर परिषद के कर्मचारियों द्वारा नगर के 15 वार्डों में वैक्सीनेशन अभियान को शत प्रतिशत सफल बनाने के लिए लगातार हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

पेज 1 से जारी

फाइव स्टार डेवलपर्स...

शाह निवासी बैतूल, रणधीर पिता सरगुण सिंह चंदेल निवासी बडोरा, मनोज पिता नानकराम आहूजा बैतूल, रूपेश पिता नानकराम आहूजा बैतूल एवं पांडूरंग पिता पंजाबराव इंगले निवासी बैतूल के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करने के निर्देश नायब तहसीलदार श्रीमति कीर्ति प्रधान को दिये है। एसडीएम ने उक्त संबंध में एसडीओपी बैतूल एवं थाना प्रभारी बैतूलबाजार को भी पत्र भेजा है।

फोरलेन डिवाइडर में नहीं...

लगाए है। हालत यह हो गई है कि डिवाइडर में घास और गाजरघास उग गई है। गाजरघास के पौधों की ऊंचाई भी तीन फिट तक हो गई है। इसके साथ ही घास भी लगी है। दोनों लेन के बीच डिवाइडर में घास लगने से आसपास के गांव के गाय, बैल, भैंस, बकरी सहित अन्य मवेशी फोरलेन सड़क क्रास करके डिवाइडर के बीच में घास खाने आ जाते है। फोरलेन सड़क पर वाहनों की स्पीड अधिक रहती है ऐसे में सड़क पर अचानक मवेशियों के आ जाने से कई बार वाहन चालक वाहन कंट्रोल नहीं कर पाते है जिससे सड़क हादसे हो जाते है या फिर कई बार वाहन चालकों को इमरजेंसी ब्रेक लगाना पड़ता है जिससे पीछे आ रहे वाहन टक्कर मार देते है। सोमवार रात में ऐसे ही एक हादसे में पाढर निवासी एक होनहार डॉक्टर की मौत हो गई। इसके पूर्व भी इस मार्ग पर कई सड़क हादसे हो चुके है। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों और फोरलेन सड़क पर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों ने फोरलेन सड़क पर मवेशियों को आने से रोकने डिवाइडर के बीच लगी घास गाजरघास कटवाने और डिवाइडरों में पौधे लगवाने की मांग एनएचएआई से की है।

भैंसदेही में हो गई...

पहुंच गया है। बारिश का कोटा पूरा होने में अब सिर्फ 4.79 इंच वर्षा की जरूरत है।

मौसम साफ रहने से मिली राहत

बीते दो तीन दिनों से रूक-रूककर हो रही तेज और धीमी बारिश से फसलों को नुकसान होने की आशंका ने किसानों को परेशान कर दिया था। इधर बुधवार को मौसम साफ रहने और बारिश नहीं होने से किसानों ने राहत की सांस ली। उल्लेखनीय है कि खरीफ फसलों की कटाई के दौर में बारिश का सिलसिला शुरू होने से नुकसान की आशंका में किसान चिंतित हो गये। जल्दी बुवाई और हल्की जमीन की फसलों की कटाई शुरू हो चुकी है।

पिस्टल बेचने का प्रयास...

पिस्टल रखी थी। विक्की के साथ पकड़ाया दूसरा युवक विक्की का सगा भाई जित्तू उर्फ जितेन्द्र पाल था। दोनों भाई पिस्टल बेचने की फिराक में थे। श्री हिंगवे ने बताया जब थाने लाकर उनसे पूछताछ की गई तो युवकों ने बताया कि उक्त पिस्टल उन्होंने उमरी जागीर निवासी हरीश भुसारे से 10 हजार रूपए में खरीदी है। पुलिस ने ग्राम उमरी जागीर से हरीश पिता सुदामा भुसारे को भी गिरफ्तार किया। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर बुधवार को न्यायालय में पेश किया जहां से तीनों को जेल भेज दिया गया।

केवी में हुआ पौष्टिक आहार प्रदर्शनी का शुभारंभ

आमला(राष्ट्रीय जनादेश)। केंद्रीय विद्यालय वायु सेना स्थल आमला में बच्चों को पोष्टिक आहार से संबंधित प्रदर्शनी का शुभारंभ विद्यालय प्राचार्य एमएल लोहार के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। सर्वप्रथम छात्र- छात्राओं ने पुष्पगुच्छ से मुख्य अतिथि का स्वागत किया। तत्पश्चात प्राचार्य ने बच्चों को संतुलित आहार लेने और पोषक तत्वों को अपने भोजन में सम्मिलित करने का महत्व बताते हुए संतुलित भोजन, फल -सब्जी, दाल, मूंगफली, अंकुरित अनाज ग्रहण करने की शिक्षा दी।

जंक फूड के सेवन से बचने दी सलाह

साथ ही जंक फूड, तैलीय भोजन, मैगी और मंचूरियन, चाउमीन जैसे आहार को ग्रहण न करने की भी अपील की। क्योंकि इन बंद पैकेट डिब्बों में मिलने वाले सामान से शरीर को कोई पोषक तत्व नहीं मिल पाते। अगर आप लंबे समय तक जीवन का आनंद लेना चाहते हैं तो प्रत्येक व्यक्ति को दिन में कम से कम तीन बार फल और सब्जियां का सेवन शरीर के वजन के अनुपात में करना चाहिए।

बच्चों ने लगाए स्टाल

इस प्रदर्शनी में बच्चों द्वारा अंकुरित अनाज, फल, सलाद तथा सात्विक भोज्य पदार्थों के स्टाल लगाए गए। साथ ही संतुलित आहार के बारे में बच्चों ने भी उपयोगिता के बारे में बताया गया जिसे प्रदर्शनी में उपस्थित सभी शिक्षकों व छात्रों ने सराहा। विदित हो कि केंद्रीय विद्यालय अमला के शिक्षकों द्वारा पोषण माह में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उक्त वेबीनार में ऑनलाइन माध्यम से कई बच्चों ने अपने घर से ही भाग लिया। कार्यक्रम में उप प्राचार्य राजकुमार विश्वकर्मा, श्रीमती रेखा पठारिया तथा विज्ञान के सभी शिक्षक उपस्थित थे।

दिव्यांगों और वरिष्ठजनों का परीक्षण शिविर 27 से

बैतूल(राष्ट्रीय जनादेश)। जिले की जनपद पंचायत भैंसदेही, मुलताई एवं बैतूल में दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों हेतु परीक्षण शिविरों का आयोजन 27 सितंबर से 29 सितंबर तक किया जाएगा। उप संचालक सामाजिक न्याय एवं निशक्तजन संजीव श्रीवास्तव से प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत भैंसदेही में 27 सितंबर को परीक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में जनपद पंचायत भीमपुर, आठनेर, नगर पालिका आठनेर एवं भैंसदेही क्षेत्र के दिव्यांगजन एवं वरिष्ठजन अपना परीक्षण करा सकेंगे। इसी तरह जनपद पंचायत मुलताई में 28 सितंबर को परीक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें जनपद पंचायत आमला, प्रभातपट्टन एवं नगर पालिका मुलताई एवं आमला क्षेत्र के दिव्यांगजन एवं वरिष्ठजन अपना परीक्षण करा सकेंगे।

जनपद पंचायत बैतूल में 29 सितंबर को परीक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में जनपद पंचायत शाहपुर, घोड़ाडोंगरी, चिचोली एवं नगर पालिका बैतूल, सारनी, चिचोली एवं बैतूलबाजार क्षेत्र के दिव्यांगजन एवं वरिष्ठजन अपना परीक्षण करा सकेंगे।

श्री श्रीवास्तव ने बताया कि शिविर में सीएससी के माध्यम से ऑनलाइन किए गए एवं शिविर में सीधे उपस्थित होने वाले हितग्राहियों का पंजीयन एवं चिन्हांकन परीक्षण किया जाएगा। शिविर में जिला चिकित्सालय की टीम भी उपस्थित रहेगी। परीक्षण उपरांत चिन्हित हितग्राही को दूसरे चरण में उपकरणों का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। जिसमें दिव्यांगजन हेतु सहायक उपकरण एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजना अंतर्गत वरिष्ठजनों को कृत्रिम दांत, नजर पावर के चश्मे, ट्रायपॉड, टेट्रापॉड, व्हीलचेयर, वॉकिंग चेयर, एल्बो बैशाखी, वॉकर, श्रवण यंत्र, चेयर स्टूल कमोड सहित सिलिकॉन फोम, तकिया, नी ब्रेस, स्पाइनल सपोर्ट, सरवाइल कॉलर, लम्बोसैकल बेल्ट, रोलेटर ब्रेक सहित छड़ी सीट, फुट केयर किट इत्यादि प्रदाय की जाएगी।

पोषण वाटिका का किया लोकार्पण

बैतूल(राष्ट्रीय जनादेश)। नगर के अंबेडकर वार्ड क्रमांक 15 के आंगनवाड़ी केंद्र में राष्ठीय पोषण माह अंतर्गत पोषण वाटिका के लोकार्पण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी श्रीमती नीरजा शर्मा, पर्यवेक्षक श्रीमती रंजीता जोशी, नगर अध्यक्ष सुधाकर पवार, वार्ड पार्षद सुरेश गायकवाड, पवन राठौर, अंतरा फाउंडेशन के सदस्य, अंबेडकर वार्ड आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती बबीता राठौर, सहायिका श्रीमती बाया पद्माकर, गांधी वार्ड आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुश्री रंजीता सोनी, सहायिका श्रीमती अर्चना सोनी उपस्थित रहे। साथ ही वार्ड हितग्राहियों सहित बैतूल बाजार की समस्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भी उपस्थित उपस्थित रही। कार्यक्रम में सभी गणमान्य अतिथियों द्वारा वार्ड के हितग्राहियों को पोषण के विषय में संबोधित किया गया तथा पोषण वाटिका का लोकार्पण कर सभी को पोषण के प्रति जागरूक किया गया।

पोषण के प्रति जागरूकता जरूरी

परियोजना अधिकारी श्रीमती नीरजा शर्मा ने कहा पोषण के प्रति लोगों को जागरूक करना ही पोषण माह उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर के लिए पौष्टिक आहार का बहुत अधिक महत्व है। यह शारीरिक विकास के साथ कई प्रकार की बीमारियों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता का विकास करता है। लोग स्वस्थ जीवन के लिए खुद जागरूक हों और दूसरों को भी जागरूक करें। उन्होंने कहा कि पोषण माह का मुख्य उद्देश्य कुपोषण मुक्त बनाना, किशोरी, गर्भवती महिला, धात्री महिलाओं को एनीमिया मुक्त बनाना आदि है। किसी भी महिला को अपने दैनिक कार्य करने, बीमारियों की रोकथाम तथा सुरक्षित व स्वस्थ प्रसव के लिए अच्छे भोजन की आवश्यकता होती है।

अनेक गतिविधियों का आयोजन

उल्लेखनीय है कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह मनाया जा रहा है। राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान कुपोषण को दूर करने के उद्देश्य के चलते जिला एवं ग्राम स्तर पर अनेक प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार पोषण माह में महिलाओं एवं बालिकाओं को पोषण के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

विकास उत्सव के विविध आयाम

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

योगी आदित्यनाथ सरकार ने पर्माणों के आधार पर विकास उत्सव का शुभारंभ किया था। यह क्रम अगले कई दिनों तक जारी रहेगा। साढ़े चार वर्ष पूर्ण होने पर सरकार ने अपनी उपलब्धियों का ब्यौरा पर्स्तुत किया था। सत्ता पक्ष इससे उत्साहित है जबकि विपक्ष ने इसे झूठ बताया है। यह समझना होगा कि उपलब्धियां पर्त्यक्ष दिखाई देती है। बिजली आपूर्ति, कानून व्यवस्था माफिया की अवैध सम्पत्ति, निवेश, सड़क व एक्सर्पेस वे, निर्धन आवास निःशुल्क राशन, निःशुल्क बिजली कनेक्शन,राहत व किसान सम्मान निधि का शत-पंतिशत भुगतान, मेडिकल कॉलेज, एयर पोर्ट, तीर्थाटन पर्यटन विकास आदि के विषय पर्त्यक्ष है। कोई भी सरकार इन पर झूठ नहीं बोल सकती। योगी सरकार ने तो लिखित रूप में अपनी उपलब्धियां बताई है। इन सभी का भौतिक सत्यापन किया जा सकता है। जिन करोड़ो लोगों को केंर्द व पंदेश सरकार की योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है,उनसे भी संवाद किया जा सकता है। ऐसे में सरकार के दावों को तुरत झूठ बताने से काम नहीं चलेगा।

यह कहने से भी काम नहीं चलेगा कि पिछ्ली सरकार की योजनाओं का लोकार्पण किया जा रहा है। वस्तुतः यह अपनी ही कमजोरी उजागर करने जैसा है। इसका मतलब कि पहले पांच वर्षो का पर्याप्त उपयोग नहीं किया गया। सरकार में निरंतरता होती है। पिछ्ली सरकार यदि योजना बनाने या शिलान्यास करके विदा होती है,तो उसे अंजाम तक पहुंचाना अगली सरकार की जिम्मेदारी होती है। वर्तमान केंर्द व उत्तर पंदेश सरकार ने वर्षो से लंबित अनेक योजनाओं को पूरा किया है। इसके अलावा ऐसी अनेक योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया,जिनके बारे में पिछ्ली सरकारों ने कल्पना तक नहीं की थी। अनेक योजनाओं पर पिछ्ली सरकारों की गति भी बहुत धीमी थी। वर्तमान सरकार ने उन्हें कई गुना अधिक तेजी से संचालित किया। योगी आदित्यनाथ ने विकास महोत्सव को भी जनकल्याण से जोड़ दिया है। वह स्वयं अनेक जनपदों में पहुंच कर योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास कर रहे है। इस क्रम में उन्होंने मुरादाबाद में तीस विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया जिनमें तेईस पेयजल परियोजनाओं का शिलान्यास एवं सात विकास परियोजनाओं का लोकार्पण सम्मिलित हैं। उन्होंने मुरादाबाद जिला अस्पताल में स्थापित दो आक्सीजन प्लाण्टों का भी लोकार्पण किया। उन्होंने शासन की विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को पर्माण पत्र भी वितरित किए। योगी आदित्यनाथ बिजनौर में केन्र्द सहायतित योजना फेज तीन के अन्तर्गत निर्मित होने वाले राजकीय मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास किया। उन्होने विभिन्न शासकीय योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र व पर्माण पत्र वितरित किये। इसे महात्मा विदुर मेडिकल कॉलेज नाम दिया गया है। महात्मा विदुर राजकीय मेडिकल कॉलेज, बिजनौर की पर्स्तावित लागत दो सौ इक्यासी करोड़ रुपये से अधिक थी। पंदेश सरकार की मितव्ययिता व पारदर्शी व्यवस्था से यह मेडिकल कॉलेज लगभग ढाई सौ करोड़ रुपये से कम में बनकर तैयार होगा। विगत साढ़े चार वर्ष में बत्तीस नये राजकीय मेडिकल कॉलेज निर्मित कराकर पंदेश में स्वास्थ्य क्षेत्र की आधारभूत अवसंरचना को लगातार मजबूत किया जा रहा है। गोरखपुर व रायबरेली में एम्स पंारम्भ हो चुके हैं। बिजनौर के धामपुर में सौ बेड का एक नया हॉस्पिटल जनता की सेवा में समर्पित किया जा चुका है। पंदेश सरकार ने सभी जिलों में एडवान्स्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करायी है। पंदेश सरकार शीघ्र ही गन्ना के खरीद मूल्य में वृद्धि की घोषणा करने वाली है। साढ़े चार वर्ष के कार्यकाल में पंदेश में कहीं भी कोई दंगा नहीं हुआ है। पंदेश में सभी पर्व व त्योहार शांतिपूर्ण व सौहार्द के साथ मनाए जा रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस वर्ष को आजादी के अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। इस महोत्सव के माध्यम से केन्र्द व पंदेश सरकार महापुरुषों को सम्मान पंदान करने का कार्य कर रही है। पंधानमंत्री नरेंर्द मोदी ने बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर से जुड़े पांच स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया है। पंदेश सरकार लखनऊ में बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर का भव्य स्मारक बनाने का कार्य कर रही है। काशी में संत रविदास के पावन पंाकट्य स्थल पर भी उनका भव्य मंदिर निर्मित करा रही है। पंदेश में पर्यटन विकास की विभिन्न योजनाओं को लगातार आगे बढ़ाने की कार्यवाही की जा रही है। महर्षि वाल्मीकि की पवित्र साधना स्थली लालापुर में पर्यर्टन की विभिन्न योजनाओं को क्रियान्वित कराया जा रहा है। अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण कार्य पंगति पर है। आगामी तीन वर्षो के अंदर भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा। यह दुनिया का दिव्य एवं भव्य मंदिर होगा। इससे हर भारतवासी को गौरव की अनुभूति होगी। किसानों को पंधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिया जा रहा है। पंदेश सरकार सत्ता संभालने के फौरन बाद ही छियासी लाख किसानों का छत्तीस हजार करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया था। पंदेश में कोरोना कालखण्ड में गरीबों को निःशुल्क इलाज व भोजन की व्यवस्था की गई है। पंदेश के पन्र्दह करोड़ लोगों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। पंदेश सरकार ने एक जनपद एक उत्पाद योजना के अंतर्गत मुरादाबाद के विश्वविख्यात पीतल उद्योग को नई दिशा व दशा पंदान की है। जिसके फलस्वरूप मुरादाबाद एक निर्यात हब के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने में सफल हुआ है। पंदेश के पंत्येक जनपद में उद्योग से जुड़े लोगों के कल्याण हेतु एक जनपद। एक उत्पाद योजना बनाई गयी है। मुरादाबाद का पीतल उद्योग विश्वविख्यात है। यहां से छह हजार करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात विदेशों को किया जाता है। यह निर्यात का हब है। एक जनपद एक उत्पाद योजना के अंतर्गत अनेक जनपदों के स्थानीय व परम्परागत उत्पाद को नया स्वरूप दिया गया है। इससे स्थानीय स्तर पर बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध हुए है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पंदेश सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के साथ आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। सरकार उत्तर पंदेश को स्वच्छ, स्वस्थ, समर्थ तथा सर्वोत्तम पंदेश बनाने के लिए कटिबद्ध है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सबके विकास के लिए कार्य करने वाली सरकार ही अच्छी होती है। विगत साढ़े चार वर्ष में पंदेश की तस्वीर बदली है। गांव व शहर सभी जगह बिजली की समान रूप से आपूर्ति की जा रही है। सभी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के समान रूप से जनता को मिल रहा है। पंदेश की कानून व्यवस्था सुदृढ़ हुई है।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए सरकार ने एण्टी रोमियो स्क्वायड के साथ ही बेटियों की सुरक्षा हेतु तीस हजार महिला सिपाही की भर्ती की है। बेटियों की सुरक्षा हेतु हेल्पलाइन सेवा को भी संचालित किया गया है। मिशन शक्ति के अन्तर्गत महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन का कार्य किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा बयालीस लाख लोगों को पंदेश में आवास उपलब्ध कराये गये हैं, बुजुर्गो एवं निराश्रित महिलाओं को सरकार पेंशन का लाभ दे रही है। इन सभी आधारों पर ही विकास उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। (हिफी)

नगरीय क्षेत्र आठनेर एवं बैतूल बाजार में प्रथम डोज वैक्सीन का शत प्रतिशत टीकाकरण

बैतूल (राष्ट्रीय जनादेश)। जिले के नगरीय क्षेत्र आठनेर एवं बैतूल बाजार में निवासरत शत प्रतिशत नागरिकों का प्रथम डोज का शत प्रतिशत टीकाकरण किया जा चुका है। जिला शहरी विकास प्राधिकरण के परियोजना अधिकारी अक्षत बुंदेला से प्राप्त जानकारी के अनुसार नगरीय क्षेत्र आठनेर के 15 वार्डों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, वार्ड प्रभारी द्वारा निवासरत व्यक्तियों की सर्वे रिपोर्ट अनुसार प्रथम डोज वैक्सीन का शत प्रतिशत टीकाकरण किया जा चुका है। यहां 129 (गर्भवती / धात्री माताएं, गंभीर बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति एवं नगरीय क्षेत्र से बाहर गए) लोग टीकाकरण हेतु शेष हैं, जिनका यथासमय टीकाकरण कराया जाएगा।

इसी तरह नगरीय क्षेत्र बैतूल बाज़ार के 15 वार्डों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, वार्ड प्रभारी द्वारा निवासरत व्यक्तियों की सर्वे रिपोर्ट अनुसार प्रथम डोज वैक्सीन का शत प्रतिशत टीकाकरण किया जा चुका है। यहां 212 (गर्भवती / धात्री माताएं, गंभीर बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति एवं नगरीय क्षेत्र से बाहर गए) लोग टीकाकरण हेतु शेष हैं, जिनका यथासमय टीकाकरण कराया जाएगा।

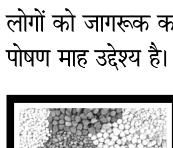

मंडी भाव, कृषि उपज मंडी, बैतूल

दिनांक : 22 अगस्त 2021

जिंस का नाम	आवक	न्यूनतम	उच्चतम	प्रचलित
सोयाबीन पीला	38	4000	6600	5700
चना	146	4201	4931	4672
मक्का	344	1300	1691	1660
गेहूं	5707	1820	2061	1845
सरसों	5	6601	6751	6601
मसूर	---	---	---	---
तुअर	07	5201	5201	5201
गुल्ली	07	4700	4700	4700
मूंग	14	5425	6175	5775
गुड़	---	---	---	----
ज्वार	53	1401	1551	1461
बाजरा	35	1550	1570	1550
योग	6360	बोरे		

आवश्यकता है
शिवशक्ति सेल्स (पेट्रोल पंप) अखतवाड़ा (खेड़ी) पर कार्य करने हेतु सेल्समेन और मैनेजर की। वेतन योग्यतानुसार, अनुभवी को प्रथमिकता।
2909
मो. 9425193287

खेत बेचना है
बैतूल से 12 किमी दूर ग्राम गोहची में स्थित 10 एकड़ काली सिंचित जमीन (खेत) बेचना है
2909
मो. 9753360287

प्लाट उपलब्ध है
गणेश उत्सव स्पेशल ऑफर
रजिस्ट्री फ्री
सभी साईजों में डायवर्टेड प्लाट उपलब्ध है
मात्र 51,000 रूपए में बुकिंग करें
रेट- 450, 550, 650 रूपए वर्गफीट
1010
लोकेशन: बैतूल- आमला रोड पर
मो. 6262670787

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मयूर भार्गव द्वारा मुद्रक डीबी कॉर्प लिमि. फौजदार गैरेज, पवारखेड़ा इटारसी रोड, होशंगाबाद से मुद्रित और प्रधान कार्यालय सिविल लाइन, बैतूल से प्रकाशित। संपादक-मयूर भार्गव। समस्त दीवानी, फौजदारी एवं न्यायिक कार्यवाही के लिए क्षेत्राधिकारी बैतूल न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालय-07141-355484

फटाफट ख़बरे

भू अभिलेख शुद्धिकरण पखवाड़ा 1 नवम्बर से

बैतूल(राष्ट्रीय जनादेश)। राजस्व विभाग के सचिव डॉ. संजय गोयल ने समस्त कलेक्टर्स को एक नवंबर से 15 नवंबर तक भू-अभिलेख (रिकार्ड) शुद्धिकरण पखवाड़ा मनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि पखवाड़ा प्रारंभ होने के पूर्व तक सभी जिलों में इस कार्य हेतु तत्काल विशेष अभियान चलाकर अधिकाधिक संख्या में भू-अभिलेख शुद्धिकरण हेतु प्रकरण दर्ज करने की कार्रवाई की जाए एवं दर्ज प्रकरणों का निराकरण पखवाड़ा अवधि में किया जाए।

कांग्रेस का धरना 25 को

बैतूल(राष्ट्रीय जनादेश)। कांग्रेस के तत्वावधान में 25 सितम्बर, शनिवार दोपहर 12 बजे लल्ली चौक सहित जिले के सभी ब्लाक में धरना प्रदर्शन किया जाएगा। ब्लाक अध्यक्ष बैतूल शहर मोनू बडोनिया ने बताया कि धरना प्रदर्शन कोविड के कारण जान गंवाने वाले परिवारों को पर्याप्त मुआवजा, तीनों काले कृषि कानून तत्काल वापस लिए जाए, डीजल और रसाई गैस के दाम कम किए जाए, निजीकरण पर रोक, मनरेगा में 2 सौ दिन की रोजगार गारंटी,सूक्ष्म और मध्यम उद्योगों को तत्काल आर्थिक पैकेज, मंहगाई कम करने एवं युवाओं को राजगार देने की मांग को लेकर किया जा रहा है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा ने सभी ब्लाक अध्यक्षों, सेवादल, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस, मंडल, सेक्टर प्रभारियों और कार्यकर्ताओं से धरने में उपस्थित होने की अपील की है।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस 1 अक्टूबर को

बैतूल(राष्ट्रीय जनादेश)। राष्ट्रीय वृद्धजन स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम के अंतर्गत एक अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस का आयोजित किया जायेगा। जिला नोडल अधिकारी राष्ट्रीय वृद्धजन स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम एवं जिला क्षय अधिकारी डॉ. आनंद मालवीय ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर जिला चिकित्सालय में वृद्धजन स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जायेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.ए.के. तिवारी द्वारा वृद्धजनों से अधिक से अधिक संख्या में एक अक्टूबर को आयोजित स्वास्थ्य शिविर में जिला चिकित्सालय आकर स्वास्थ्य लाभ लेने की अपील की गई है। सीएमएचओ ने बताया कि जिले में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस जिला चिकित्सालय के अतिरिक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आमला एवं मुलताई में भी आयोजित किया जायेगा।

जिले में अब तक 972297 को प्रथम और 230954 लगे द्वितीय डोज

बैतूल(राष्ट्रीय जनादेश)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर ए.के.तिवारी ने बताया कि जिले में 21 सितम्बर 2021 तक कोविड-19 टीकाकरण अभियान के अंतर्गत हेल्थ केयर वर्कर, फ्रंट लाइन वर्कर तथा 18 वर्ष एवं अधिक आयु वर्ग के टीकाकृत हितग्राहियों की विकासखंडवार प्रथम एवं द्वितीय डोज की उपलब्धि इस प्रकार है-विकासखंड आमला प्रथम डोज 102233, द्वितीय डोज 21129, विकासखंड आठनेर प्रथम डोज 67418, द्वितीय डोज 11856, बैतूल ग्रामीण (सेहरा) प्रथम डोज 105441, द्वितीय डोज 24963, बैतूल शहरी क्षेत्र प्रथम डोज 90390 द्वितीय डोज 47593, विकासखंड भैंसदेही प्रथम डोज 81032, द्वितीय डोज 12804, विकासखंड भीमपुर प्रथम डोज 76691, द्वितीय डोज 5573, विकासखंड चिचोली प्रथम डोज 61647, द्वितीय डोज 9057, विकासखंड घोड़ाडोंगरी प्रथम डोज 136834, द्वितीय डोज 37861, विकासखंड मुलताई प्रथम डोज 108529, द्वितीय डोज 33540, विकासखंड प्रभात पट्टन प्रथम डोज 76836, द्वितीय डोज 15179, विकासखंड शाहपुर प्रथम डोज 65246, द्वितीय डोज 11399 लगाए जा चुके हैं। टीकाकरण शाखा से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार अब तक जिले में कुल प्रथम डोज 972297, द्वितीय डोज 230954 लगाये जा चुके हैं।

युवाओं के हक की लड़ाई लड़ता है यूथ कांग्रेस का कार्यकर्ता:सुखदेव पांसे

आमला(राष्ट्रीय जनादेश)। विधानसभा क्षेत्र में युवक कांग्रेस के नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष एवं विधानसभा पदाधिकारियों की नियुक्ति करने पर कांग्रेसियों एवं युवक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने मुलताई पहुंचकर पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं मुलताई विधायक सुखदेव पांसे का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि मनोज मालवे, जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष अनुराग मिश्रा, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष तिरुपति एरूल, आमला ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनोज देशमुख, बोरदेही ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नरेंद्र चचड़ा, आईटी सेल जिला अध्यक्ष भूषण कांति, नवनियुक्त सेवादल विधानसभा प्रभारी जितेंद्र शर्मा, नगर कांग्रेस अध्यक्ष लोकेश सोनी सहित सैकड़ों कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विजय भवन में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आज

बैतूल(राष्ट्रीय जनादेश)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को लेकर चल रहे सेवा और समर्पण कार्यक्रम अंतर्गत भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ द्वारा आज 23 सितंबर गुरूवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक जिला कार्यालय विजय भवन में स्वास्थ परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम प्रभारी मनीषसिंह ठाकुर ने बताया कि स्वास्थ षिविर में निशुल्क जांच की जाएगी। शिविर में मेडिसन विशेषज्ञ एवं विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ.ब्रजेश बामनकर, डॉ. नितिन राठी, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ.महेन्द्रसिंह चौहान, डॉ.अशोक मुले, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ.अरूणा चौहान, डॉ.दीप्ती राठी, नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ.जयदीप पोपली, जनरल फिजिशियन डॉ.अरूण जयसिंगपुरे, डॉ.अरूण उच्चसरे, सर्जिकल विशेषज्ञ डॉ.एम.एल.राठौर, डॉ.मनोज अग्रवाल द्वारा सेवाए दी जाएगी। साथ ही शुगर एवं बीपी की जांच भी निशुल्क की जाएगी। शिविर प्रभारी मनीषसिंह ठाकुर, डॉ.अरूण जयसिंगपुरे, डॉ.महेन्द्र सिंह चौहान ने नागरिकों से स्वास्थ शिविर में पहुंचकर लाभ लेने की अपील की है।

मासिक श्रमिक की सेवा समाप्त

बैतूल (राष्ट्रीय जनादेश)। नगर पालिका सारनी के मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने फायर स्टेशन सारनी में कार्य के दौरान शराब का सेवन करते पाए जाने एवं स्पष्टीकरण का जवाब संतोषजनक नहीं होने के कारण मासिक श्रमिक विक्रम पिता बलराम डेहरिया की सेवा समाप्त कर दी है।

अतिक्रमण में गुमठियां रख किराए पर चला रहे रसूखदार

« 4 से 5 हजार रूपए माह वसूल किया जाता है किराया

मुलताई(राष्ट्रीय जनादेश)। गंदा है पर धंधा है की तर्ज पर रसूखदारों द्वारा सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर पहले गुमटी रखते हैं और फिर इसी गुमटी को किराए पर देकर हजारों रुपए प्रति महीना किराया वसूला जा रहा है। यह गोरखधंधा खूब फल फूल रहा है। इस मामले में प्रशासन से जांच कराकर अतिक्रमण हटाने की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्य मार्ग के आसपास अतिक्रमण में ऐसे कई टीन शेड खड़े मिल जाएंगे जिसमें दुकानें संचालित हो रही है लेकिन ये दुकानें उन छोटे व्यापारियों की नहीं है जो दुकान चला रहे हैं बल्कि उनके द्वारा दुकानें मुख्य मार्ग पर किराए से लेकर हजारों रूपए किराया उन रसूखदारों को दिया जा रहा है जिन्होंने अपनी पहुंच का फायदा उठाकर अतिक्रमण में स्वयं की गुमठियां लगाई गई है ताकि हर माह हजारों रूपए की आवक होती रहे। पहले जहां ये गुमठियां कुछ लोगों द्वारा गिनी चुनी लगाई गई थी लेकिन अब ये बड़ा व्यवसाय बन चुका है जिसमें बड़ी संख्या में लोग बैतूल रोड से नागपूर रोड पर यही व्यवसाय कर रहे हैं।

2 से 5 हजार तक वसूल रहे किराया छोटे टपरों का जहां 2 हजार रूपए प्रतिमाह किराया वसूला जाता है वहीं बड़े टीन शेडों से 4 से 5 हजार रूपए का किराया निर्धन व्यापारियों से वसूला जा रहा है जिसमें हींग लगे ना फिटकरी और कमाई चोखी वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। पूरे मामले में जागरूक नागरिकों द्वारा नगर पालिका से ऐसे टपरे एवं गुमठियां चिन्हित कर अतिक्रमण हटाने की मांग की गई है।

हॉकर जोन बनाने की मांग

नगर में एक तरफ जहां रसूखदारों के द्वारा गुमठियां अतिक्रमण में लगाकर जमकर किराए के नाम पर वसूली की जा रही है वहीं नगर पालिका द्वारा ऐसे अतिक्रमण पर कार्यवाही नहीं की जा रही है। नगर के जागरूक नागरिकों ने नगर पालिका से यह मांग की गई है कि रसूखदारों के अतिक्रमण हटाकर वास्तविक छोटे मंझोले एवं निर्धन व्यापारियों को हाकर जोन निर्माण कर दुकानें प्रदान की जाए ताकि वे कम किराए में अपना व्यवसाय चलाकर परिवार का पेट पाल सकें। वर्तमान में नगर पालिका द्वारा अतिक्रमण की कार्यवाही लंबे समय से नही करने से मार्ग के दोनों ओर सहित अन्य स्थानों पर अतिक्रमण ने बेतहाशा पैर पसार लिए हैं जिससे जरूरत मंदों को धंधा करने के लिए आज भी जगह नही मिलती है।

अतिक्रमण हटाकर जब्त करें गुमटी, शेड

नगर पालिका द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के साथ बैतूल मार्ग से नागपुर मार्ग तक मार्ग के दोनों ओर लगे टीन शेड हटाकर उन्हे जब्त किया जाना चाहिए। ऐसे में यह पता चल जाएगा कि टीन शेड किसके हैं? फिलहाल हो ये रहा है कि जो व्यापारी अतिक्रमण में व्यापार करने नजर आ रहे हैं। यह अतिक्रमण उनके द्वारा नहीं किया गया है तथा इसके पीछे पूरा एक माफिया अतिक्रमण का संचालन कर रहा है जिसके लिए अतिक्रमण हटाओ मुहीम के तहत पक्के टीन शेड हटाना जरूरी है।

रातों रात खड़े कर दिए जाते हैं टीन शेड

लंबे समय से अतिक्रमण की कार्यवाही नहीं होने से नगर के मध्य से गुजरने वाले मार्ग के दोनों ओर की स्थिति यह है कि अतिक्रमण पटा पड़ा है तथा रोज एक नया अतिक्रमण हो रहा है। बताया जा रहा है कि रातों रात टीन शेड लाकर मार्ग के किनारे रख कर अतिक्रमण किया जाता है फिर उन्हे मनचाहा किराया मिलने पर छोटे व्यापारियों को दे दिया जाता है। यदि नगर पालिका के अधिकारियों द्वारा पूरे मार्ग के आसपास निरीक्षण किया जाए तो कुछ ही समय में बढ़े बेतहाशा अतिक्रमण का अनुमान लग जाएगा। ऐसे लोग भी बेनकाब होंगे जो शासन की जमीन पर बिना कुछ किए हजारों रूपए किराए के नाम पर वसूल कर रहे हैं। इसलिए अतिक्रमण हटाओ मुहीम के तहत मार्ग के दोनों ओर पक्के टीन शेडों को हटाने की मांग जागरूक नागरिकों द्वारा की जा रही है।

माचना में स्टाप डेम सहित बनेगी जल संरचनाएं

बैतूल(राष्ट्रीय जनादेश)। माचना पुनर्जीवन अभियान तहत बुधवार को अखण्ड भारत के केन्द्र बिन्दु ग्राम बरसाली में माचना के किनारे ग्रामसभा आयोजित की गई। अतिथियों ने सर्वप्रथम ग्राम देवता व नदी की पूजा की। सभा के पूर्व उपस्थित सभी श्रमदानियों ने नदी तट व पुलिया पर साफ-सफाई की गई।

माचना को बनाना होगा सदानीरा

नदी पुनर्जीवन को लेकर चलाये जा रहे अभियान के बारे में पर्यावरण कार्यकर्ता मोहन नागर ने कहा कि माचना नदी बैतूल जिले की लगभग एक चौथाई आबादी को जीवन देती है, किन्तु समाज की उपेक्षा व अत्यधिक दोहन के कारण अब यह बारहमासी नदी नहीं बची। इसे पुनः सदानीरा बनाने के लिये शासन के साथ समाज को मिलकर कार्य करना होगा। नदी के बेसिन क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की वर्षा जल संरचनाओं का निर्माण करना होगा। वर्षा जल को भूगर्भ में पहुंचाना, ऊंचाइयों पर खंतीयों का निर्माण करना, बोरी बंधान, पौधरोपण के माध्यम से जन सहयोग द्वारा हम नदी पुनर्जीवन कर सकते हैं।

पुर्नजीवित करना जरूरी

सहायक कलेक्टर अंशुमन राज ने कहा कि एक नदी तब बहती जब उसके दोनों के ऊपरी क्षेत्र की धरती में पानी भरा हो, वह पेड़ों से युक्त हो। नदी पुनर्जीवन करना यानि उस क्षेत्र की समस्त जल संरचनाओं को जीवित करना होता है। उन्होंने कहा कि जल संरचनाओं के स्थान चयन को लेकर ग्रामीणों के सुझाव हेतु यह बैठक का आयोजित की गई है। पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष आनंद प्रजापति ने कहा कि जीवनदायिनी माचना के लिये नदी किनारे के ग्रामवासियों को नदी को स्वच्छ रखने के प्रयास करना होंगे।

यह थे उपस्थिति

कार्यक्रम का संचालन अमोल पानकर ने किया तथा आभार ग्राम सरपंच द्वारा किया गया। सभा में ग्रामवासियों के साथ तकनीकी प्रशासनिक अधिकारी में भी उपस्थित थे । बैठक के पश्चात अतिथियों ने नदी क्षेत्र व अखण्ड भारत के केन्द्र बिन्दु का भ्रमण कर वहां बनी जल संरचनाओं व पौधारोपण का निरीक्षण किया। अतिथियों ने पहाड़ी पर नीम के पौधे भी रोपे। पुनर्जीवन अभियान दल ने बरसाली की पहाड़ी के प्राकृतिक झरने का भी अवलोकन किया। बैठक में विकास मिश्रा, पुरुषोत्तम यादव, सरपंच ग्राम पंचायत खंडारा लक्ष्मण यादव, सामाजिक कार्यकर्ता आशीष अवस्थी, मुन्ना राठौर, नरेंद्र यादव, हरिराम यादव, नंदकिशोर यादव, किशन यादव, तरुण यादव, कैलाश यादव, भगवान दास यादव सहित ग्रामीण जन उपस्थित थे।

जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट

खेड़ली बाजार(राष्ट्रीय जनादेश)। *बोरदेही थाना क्षेत्र के बासन्या ग्राम में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इसमें लगभग पांच लोगों को चोंट आई है। बोरदेही थाना पुलिस द्वारा दोनों पक्षों पर अपराध दर्ज कर जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत मालेगांव के ग्राम बासन्या निवासी हीरालाल यदुवंशी और कमल बगाहे के बीच जमीन का विवाद चल रहा था जिसको लेकर दोनों पक्षों द्वारा तहसीलदार आमला और एसडीएम मुलताई कार्यालय में शिकायत की गई थी, लेकिन एसडीएम कार्यालय से कोई निर्णय होता इससे पहले ही दोनों पक्षों की आपस में जमकर मारपीट हो गई।*

खानदानी जमीन पर किया अतिक्रमण

ग्राम बासन्या निवासी हीरालाल यदुवंशी ने बताया कि ग्राम वासियों में हमारी खानदानी जमीन पर कमल बगाहे ने अवैध अतिक्रमण कर मकान बनाने का कार्य किया था। इसको लेकर हमने तहसीलदार आमला एवं अन्य अधिकारियों को इसकी सूचना दी थी। गत दिनों भी यह व्यक्ति हमारी भूमि में मकान निर्माण करने आया था जिसको लेकर उसे बार-बार समझाइश दी गई। लेकिन दिनांक 18 सितंबर शनिवार को वे लोग हमारी भूमि पर भवन निर्माण करने आए थे जिन्हें समझाइश दे रहे थे लेकिन उन्होंने हमारे साथ मारपीट की है।

ग्राम पंचायत ने जारी ही नहीं किया पट्टा

भूमि मालिक हीरालाल ने बताया कि ग्राम बासन्या के कमल बगाहे द्वारा ग्राम पंचायत द्वारा निजी भूमि पर प्रदत्त पट्टा भी सार्वजनिक किया गया है जिसमें उसे हीरालाल यदुवंशी के खसरा नं 140, रकबा नं 1.121 हे. में पंचायत द्वारा पट्टा प्रदान किया गया है। इस संबंध में ग्राम पंचायत सरपंच से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि उक्त अवैधानिक पट्टा हमारे कार्यालय से जारी नहीं किया गया है। किसी व्यक्ति द्वारा मेरे हस्ताक्षर का दुरुपयोग किया गया है जिसको लेकर मुख्य कार्यपालन अधिकारी आमला को भी सूचित कर चुके हैं। फिलहाल उक्त मामला अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मुलताई के समक्ष प्रस्तुत है जिस पर निर्णय लिया जाना शेष है।

पुलिस ने दर्ज किया काउंटर केस

बहरहाल देखना यह है कि कृषि योग्य निजी भूमि पर पंचायत द्वारा जारी किया गया पट्टा जिसे ग्राम पंचायत सरपंच अवैध बता रहे हैं इस मामले में क्या कार्रवाई होती है? दोनों पक्षों के जमीनी विवाद में पुलिस द्वारा दोनों पक्षों पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। एसडीएम मुलताई द्वारा उक्त मामले की स्पष्ट जांच के बाद निर्णय लिया जाएगा।

वायरल की मार से नागरिक हो रहे बीमार

‹ अस्पताल में वायरल फीवर के मरीजों की भीड़
‹ नगर सहित पूरे क्षेत्र में मौसमी बीमारियों का प्रकोप

मुलताई(राष्ट्रीय जनादेश)। लगातार मौसम के बदलाव से सर्दी, खांसी, जुकाम एवं बुखार के मरीज लगातार बढ़ते जा रहे हैं जिससे सरकारी अस्पताल सहित निजी क्लीनिक पर पीड़ित मरीजों की भीड़ नजर आ रही है। सरकारी अस्पताल में नगर सहित पूरे क्षेत्र के वायरल फीवर से पीड़ित मरीज पहुंच रहे हैं जिनका उपचार किया जा रहा है वहीं ग्रामीण अंचलों में निजी चिकित्सकों के पास भी जमकर भीड़ हो रही है। प्रदेश में डेंगू के प्रकोप के कारण लोग सतर्कता की दृष्टि से तत्काल चिकित्सकों के पास पहुंच रहे हैं। वहीं मुलताई के शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में डेंगू की जांच की व्यवस्था नहीं होने से अधिक बुखार से पीड़ित मरीजों को जिला अस्पताल उपचार के लिए जाना पड़ रहा है।

नहीं हो पा रही डेंगू की जांच

इस संबंध में बीएमओ पल्लव अमृतफले ने बताया कि मुलताई अस्पताल में डेंगू की जांच की व्यवस्था नहीं होने से यहां सीबीसी का टेस्ट उपरांत मरीजों को जिला अस्पताल रेफर किया जाता है। फिलहाल अधिकांश मरीज वायरल फीवर के ही अस्पताल में पहुंच रहे हैं जिनका उपचार किया जा रहा है। वायरल फीवर का असर लगभग दो से तीन दिन रहता है। इसके अलावा मौसम के बदलाव के कारण सर्दी, खांसी, जुकाम एवं बुखार के मरीज भी पहुंच रहे हैं।

बुखार आने पर डाक्टर को दिखाना जरूरी

बीएमओ डॉ.पल्लव अमृतफले ने बताया कि अभी तक मुलताई क्षेत्र में डेंगू का प्रकोप तो नही है लेकिन वायरल फीवर आने पर तत्काल डाक्टर को दिखाना आवश्यक है। बुखार से पीड़ित मरीज तत्काल जांच नहीं कराते हैं जिससे बुखार बढ़ जाता है ऐसी स्थिति में डेंगू की संभावना बन जाती है इसलिए यदि बुखार आने पर समय पर ही उपचार हो जाए तो डेंगू से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि सर्दी खांसी जुकाम में भी तत्काल चिकित्सकों से परामर्श लेकर दवाएं लेने से समस्या का समाधान हो सकता है।

अंचलों में भी बढ़ रहे बुखार के मरीज

इधर नगर में जहां वायरल फीवर के लगातार मरीज बढ़ रहे हैं। उधर ग्रामीण अंचलों में भी बुखार तेजी से फैल रहा है। अधिकांश मामलों में ग्रामीण घरेलू उपचार करते हैं तथा चिकित्सकों को नहीं दिखाते जिससे बुखार बढ़ जाता है। इधर ग्रामीण अंचलों में झोलाछाप चिकित्सकों द्वारा आनन फानन में बुखार ठीक करने के लिए बिना डिग्री के ऐलोपेथिक उपचार कर दिया जाता है जिससे भी समस्या बढ़ जाती है। फिलहाल ग्रामीण अंचलों में चिकित्सकों के पास भीड़ लग रही है जिससे बिना डिग्री के भी बड़ी संख्या में मरीजों का उपचार किया जा रहा है।

वैक्सीन लगाने ग्रामीणों को किया जागरूक

बैतूल(राष्ट्रीय जनादेश)। *लायंस क्लब बैतूल महक, लायंस क्लब बैतूल सिटी एवं लियो क्लब बैतूल ऑमीगोस के सदस्यों ने बुधवार को निकटस्थ ग्राम काजी जामठी, बरसाली एवं लाखापुर में जाकर लोगों को कोविड वैक्सीन लगाने के लिए प्रेरित किया। गौरतलब है कि ग्राम में कुछ ऐसे व्यक्ति थे जो किसी के भी कहने पर वैक्सीन लगाने को तैयार नहीं थे, लेकिन उन्हें लायन सदस्यों द्वारा समझाइश देकर ना सिर्फ़ तैयार करवाया बल्कि उन्हें क्लब की एम्बुलेंस में बैठा कर बरसाली ले जाकर वैक्सीन भी लगवाई। इस जागरूकता अभियान में तीनो क्लबो के सदस्यों में विशेषकर बैतूल महक की अध्यक्ष लायन कंचन आहूजा, पास्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन पी एस बग्गा, ज़ोन चेयर पर्सन लायन ब्रजमोहन भट्ट, लायन जितेंद्र कपूर, लायन दीपाली कौशिक, लायन कोमल लुधियानी, लायन सपना सोनी, लायन रंजना झोड, लियो दीपक रघुवंशी सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।*

विद्युत कनेक्शन कटने से पेयजल सप्लाई बंद

« विधायक को ग्रामीणों ने कराया समस्या से अवगत

मुलताई(राष्ट्रीय जनादेश)। ग्राम पंचायत कामथ एवं डिवटिया में विद्युत वितरण कंपनी द्वारा ट्यूबवेल के कनेक्शन काटने से पेयजल की सप्लाई बंद हो गई है। पेयजल सप्लाई बंद होने से गांव में पानी की समस्या खड़ी हो गई है जिससे ग्रामीण परेशान है। उक्त समस्या को लेकर डिवटिया एवं कामथ के ग्रामीण बुधवार विधायक सुखदेव पांसे से मिले और समस्या से अवगत कराया। ग्रामीणों द्वारा विधायक पांसे से विद्युत वितरण कंपनी से चर्चा कर कनेक्शन जुड़वाने की मांग की गई ताकि ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध हो सके।

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम डिवटिया में ग्रामीण नल जल योजना पर ही आश्रित है तथा गांव में कोई ट्यूबवेल एवं अन्य साधन नही होने से समस्या उत्पन्न हो गई है। ग्रामीणों को दूर दराज से पानी लाना पड़ रहा है जिससे उनकी दिनचर्या प्रभावित हो गई है। सरपंच लक्ष्मण परिहार भुनेश्वर परिहार, हरिओम सोलंकी, भूरा मालवीय, राजू दिवमन खड़से सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि पेयजल समस्या का तुरंत निराकरण होना आवश्यक है।

इधर विधायक प्रतिनिधि नितेश साहू ने बताया कि विधायक पांसे द्वारा ग्रामीणों को आश्वासन दिया गया है कि वे विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों से चर्चा कर समस्या का समाधान करेंगे। पूरे मामले में जब विद्युत वितरण कंपनी के उप महाप्रबंधक संजय यादव से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि लंबे समय से ग्राम पंचायतों द्वारा विद्युत बिलों का भुगतान नहीं करने से कनेक्शन काटे गए हैं, विद्युत बिल जमा करने के उपरांत विद्युत बहाल कर दी जावेगी।

प्रशासन ने जेसीबी से हटाया अतिक्रमण

› अतिक्रमण हटाने मौजूद थी राजस्व, नपं सहित पुलिस की टीम
› अतिक्रमण किए जाने से नहीं हो पा रही थी पानी की निकासी

भैंसदेही(राष्ट्रीय जनादेश)। मूर्तिकारों द्वारा अपने-अपने निवास के आसपास अतिक्रमण कर लिए जाने से पानी की निकासी अवरूद्ध हो गई थी। इसी को दृष्टिगत रखते हुए राजस्व, नपं, पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी से अतिक्रमण हटा दिया है।

ड्रेनेज सिस्टम सुचारू करने की कार्यवाही

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर परिषद एवं राजस्व विभाग के तहसीलदार नपा, सीएमओ ने बुधवार के दिन मूर्तिकारों के निवास पर पहुंच कर अतिक्रमण की कार्रवाई को अंजाम दिया है। दरअसल भैंसदेही शहर में जब भी बारिश होती है तब मूर्तिकारों के घरों में बारिश का पानी घुस जाता है और उन्हें बहुत नुकसान हो जाता है लेकिन इसके पीछे की वजह भी मूर्तिकार स्वयं है। क्योंकि मूर्तिकारों के द्वारा अपने घरों के सामने अतिक्रमण कर लिया गया जिसके कारण बारिश का पानी निकासी नहीं हो पाती और यह समस्या आए दिन बनी रहती है।

सरकारी भूमि पर किया था अतिक्रमण

इस बात को ध्यान में रखते हुए नगर परिषद सीएमओ कारूसिंग उईके, तहसीलदार संजय बारस्कर, सब इंजीनियर बलराम कुशवाह एवं पुलिस विभाग के साथ शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को जेसीबी मशीन के माध्यम से हटाया गया। इसके साथ ही मूर्तिकारों को सख्त निर्देश दिए कि दुबारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया जाएगा एफआईआर भी दर्ज की जाएगी।

डॉ. तेलकर को श्रद्धांजली देने उमड़ा जनसैलाब

« पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने पौधे वितरित किये

आठनेर (राष्ट्रीय जनादेश)। आठनेर क्षेत्र के प्रतिष्ठित समाजसेवी, उन्नत कृषक वडाली ग्राम निवासी डॉ. शिवकिशोर तेलकर का आकस्मिक निधन 10 सितंबर को हो गया था। बुधवार को वडाली ग्राम स्थित निज निवास में आयोजित श्रद्धांजली कार्यक्रम में डॉ. तेलकर को श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए जनसैलाब उमड़ पड़ा। आठनेर क्षेत्र सहित जिले के जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों, भाजपा- कांग्रेस के नेताओं, साहू समाज सहित अन्य समाजों के सामाजिक बंधुओं, विभिन्न विभाग के अधिकारी- कर्मचारियों, व्यवसायियों, चिकित्सकों, वकीलों, पत्रकारों ने डॉ. शिवकिशोर तेलकर को श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्रद्धांजली कार्यक्रम में डॉ. शिवकिशोर के पुत्रों धर्मराज, धर्मेन्द्र एवं जितेन्द्र ने अपने पिता की याद में एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने 101 पौधों का वितरण किया।

आठनेर तहसील के ग्राम वडाली में आयोजित श्रद्धांजली कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों सहित भाजपा कांग्रेस नेताओं ने शिरकत कर डॉ. शिवकिशोर तेलकर को श्रद्धांजली अर्पित की। श्रद्धांजली अर्पित करने वालों में बैतूल विधायक निलय डागा, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक तथा पूर्व भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, जिले के प्रतिष्ठित चिंतक, विचारक, शिक्षाविद, पर्यावरण विद, भारत भारती आवासीय विद्यालय के सचिव मोहन नागर, प्रांत गौसेवा प्रमुख संजय शर्मा, मुलताई जिला

प्रचारक अभिजीत मिश्रा, बैतूल भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला, प्रीतेश इंगले, जिला पंचायत उपाध्यक्ष नरेश फाटे, बैतूल नागरिक बैंक के अध्यक्ष अतीत पंवार, जिला भाजपा कार्यालय मंत्री कृष्णा गायकी, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष भवानी गावंडे, जिला पंचायत सदस्य उर्मिला उईके, आठनेर जनपद अध्यक्ष रामचरण इडपाचे, आठनेर भाजपा मंडल अध्यक्ष गोवर्धन राने, सुनील मामाजी टेकपुर, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शिवदयाल लोखण्डे, वरिष्ठ पत्रकार कयामुद्दीन काजी, आदिमजाति सेवा सहकारी समिति बेलकुण्ड के पूर्व अध्यक्ष धनराज गावंडे, ग्रा.पं. मासोद के सरपंच भास्कर मगरदे, कांग्रेस नेता प्रदीप जैसवाल, अमित जैसवाल, महेन्द्र पंडोले, राजू पटेल, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवदयाल आजाद, भाजपा मंडल महामंत्री स्वदेश बालापुरे सहित भाजपा- कांग्रेस के नेता जनपद उपाध्यक्ष, जनपद सदस्य, सरपंच, पंच, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक शामिल थे।

बूथ स्तर पर मनाई जाएगी उपाध्याय की जयंती

« पूर्व सांसद खंडेलवाल, जिलाध्यक्ष शुक्ला ने की पदाधिकारियों से चर्चा

बैतूल(राष्ट्रीय जनादेश)। एकात्म मानवदर्शन के प्रणेता, चिंतक, विचारक, प्रखर राष्ट्रवादी और भाजपा के प्रेरणास्त्रोत पं.दीनदयाल उपाध्याय की जयंती 25 सितंबर को पार्टी बूथ स्तर पर मनाएगी। जयंती एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला ने मंगलवार, बुधवार को जिले की पांचों विधानसभा के जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्षों एवं मोर्चो के मंडल अध्यक्षों से संवाद कर दिशा निर्देश दिए। इसी तारतम्य में बैतूल विधानसभा के पदाधिकारियों की बैठक मंगलवार की शाम जिला कार्यालय विजय भवन में हुई।

बैठक को पूर्व सांसद एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हेमंत खंडेलवाल, जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला ने संबोधित किया। बैठक में जिला उपाध्यक्ष आनंद प्रजापति, महामंत्री सुधाकर पंवार, मीडिया प्रभारी शैलेन्द्र आर्य मंचासीन थे। श्री खंडेलवाल और शुक्ला ने पदाधिकारियों से कार्यक्रम प्रभावी हो इसकी चिंता करने को कहा। उन्होंने कहा कि सेवा और समर्पण के हमारे कार्यक्रम बहुत अच्छे तरीके से संपन्न हो रहे है। इसी तरह पं.दीनदयाल उपाध्याय की जयंती 25 सितंबर का कार्यक्रम भी बूथ स्तर पर संपन्न होगा। पार्टी नेताओ ने बूथ के कार्यक्रम में शासन की योजनाओ के हितग्राहियों को भी आमंत्रण देने की बात कही। बैठक का संचालन जिला महामंत्री सुधाकर पंवार ने एवं आभार कार्यालय मंत्री कृष्णा गायकी ने किया। बैठक में बैतूल विधानसभा क्षेत्र के सभी जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं मोर्चो के मंडल अध्यक्ष उपस्थित थे।

श्रमिकों को जागरूक करने निकाली बाइक रैली

« सीएससी कॉमन सर्विस सेंटर द्वारा किया जा रहा श्रमिक पंजीयन

बैतूल(राष्ट्रीय जनादेश)। भारत सरकार के अंतर्गत श्रम और रोजगार मंत्रालय के द्वारा चलाये जाने वाले प्रोग्राम श्रमिक पंजीयन का कार्य सीएससी कॉमन सर्विस सेंटर द्वारा पूरे भारत में किया जा रहा है। जिले के समस्त श्रमिकों को जागरूक करने के लिए बुधवार को बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली में सीएससी जिला प्रबंधक कमलेश रघुवंशी, विशाल झपाटे, उमेंद्र रडवे सहित ग्राम पंचायतों से 100 सीएससी उपस्थित हुए।

श्रम अधिकारी ने दिखाई हरी झंडी

बाइक रैली को जिला श्रम अधिकारी डीडी भगत ने हरी झंडी देकर रवाना किया। इस अवसर पर श्रम अधिकारी ने कहा कि जिले के समस्त श्रमिकों का जल्द से जल्द पंजीयन किया जाये जिससे भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ जल्द से जल्द नागरिकों तक पहुंच सके। जिला प्रबंधक सीएससी कमलेश रघुवंशी ने श्रम अधिकारी को बताया कि श्रमिक कार्ड बिल्कुल निशुल्क बनाए जाएंगे और कार्ड तुरंत निकाल कर हितग्राही को दिया जाएगा।

ई श्रम पंजीकरण के लिए यह है नियम

सीएससी कमलेश रघुवंशी ने बताया ई श्रम पंजीकरण के लिए पात्रता आयु 16 से 59 वर्ष, हितग्राही टैक्स का भुगतान नही करता हो, ईपीएफओ, ईएसआईसी में रजिस्ट्रेशन नहीं हो, पंजीकरण के लिए आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड, मोबाइल न. जिस पर ओटीपी आ सके (आधार से जुड़ा हुआ अनिवार्य नही है) बैंक खाते की डिटेल भी आवश्यक है। गौरतलब है कि कॉमन सर्विस सेंटर जन सेवा करने वाला केंद्र है। इन केंद्रों में नागरिकों को प्रमाण पत्र, सरकारी सेवाएं, ऑनलाइन आवेदन, पंजीकरण सेवाएँ आदि दी जाती है।

लोगों तक सेवा पहुंचाना लक्ष्य

सीएससी सेंटर सरकारी सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने का एक साधन है जिसके माध्यम से केंद्रीय एवं राज्य सरकारी सुविधाओं का लाभ हम ऑनलाइन ले सकते है। इन सेंटरों में सरकारी तथा अन्य प्रमाण पत्र आसानी से बनवाए जा सकते है। सीएससी कॉमन सर्विस सेंटर भारत सरकार द्वारा संचालित एक विशेष पोर्टल है। भारत सरकार के द्वारा नागरिकों को आसानी से सेवाएं प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा डिजिटल जन सेवा केंद्र की स्थापना की गई है।

राज्यपाल के हाथों सम्मानित हुए डॉ. राजा धुर्वे

बैतूल(राष्ट्रीय जनादेश)। जिले को शिक्षा के क्षेत्र में बहुत अल्प समय में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दिलाने वाले एमसीआई संस्थान के डायरेक्टर डॉ.राजा धुर्वे (एमबीबीएस) को छतीसगढ़ की राज्यपाल सुश्री अनुसईया उइके ने उत्कृष्ट शिक्षा के लिए सम्मानित किया है। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल ने मध्यप्रदेश में सामाजिक उत्थान के लिए लगातार उत्कृष्ट कार्य करने वाले मांझी सरकार के प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रवण परते को भी सम्मानित किया है। उक्त जानकारी देते हुए श्रवण परते ने बताया कि सिवनी जिले में गोंड समाज महासभा द्वारा महाराजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह की प्रतिमा अनावरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में छतीसगढ़ की राज्यपाल सुश्री अनुसईया उइके बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुई थीं। कार्यक्रम में डॉ.राजा धुर्वे व श्रवण परते को भी आमंत्रित किया गया था। इस दौरान इन दोनों को सम्मानित किया गया।

गौरतलब है कि डॉ राजा धुर्वे ने अपनी पहचान को जिले में युवाओं के प्रेरणास्त्रोत एवं रोलमॉडल के रूप में स्थापित किया हैं, इन्होंने अपने कार्य से सम्पूर्ण जिले को प्रभावित किया हैं, डॉ धुर्वे लगातार शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वरोजगार के क्षेत्र में जिले के युवाओं को मार्गदर्शन देने का कार्य कर रहे हैं। वहीं मध्यप्रदेश में सामाजिक उत्थान के लिए मांझी सरकार के प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रवण परते लगातार उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री फग्गनसिंग कुलस्ते, गोंड समाज महासभा के प्रदेश अध्यक्ष बिसनसिंग परते, विधायक ओमकार मरकाम (पूर्व कैबिनेट मंत्री) उपस्थित रहे। इस सम्मान के लिए डॉ राजा धुर्वे व श्रवण परते ने गोंड समाज महासभा का आभार व्यक्त किया।

गणेश उत्सव स्पेशल ऑफर
डायवर्टेड प्लाट उपलब्ध है
बडोरा से मात्र 10 मिनट की दूरी पर स्थित
आसान किश्तों में 550 रूपए वर्गफीट
लोकेशनः बैतूल- आठनेर रोड पर
मो. 9171670787

» वीनियर
» प्लायवुड
» माईका
फैक्ट्री रेट पर
गुरूदेव प्लायवुड
होटल आईसीइन गंज, बैतूल 233554

चम्मचों की मिक्सी

[स्ट्रेट ड्राईव बाय] » सपन दुबे

***हाल** ही में इजरायली जेल से 6 फिलिस्तीनी कैदी चम्मच से सुरंग बनाकर भाग गए थे। हालांकि बाद में इजरायल ने भागे हुए 4 कैदियों को फिर से पकड़ लिया था और दो की तलाश अभी जारी है। इजरायल की जेल से सुरंग बनाकर फिलिस्तीनी कैदियों के भागने की घटना के बाद फिलिस्तीन आंदोलन का चम्मच प्रतीक बन गया है। लोग चम्मच लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। इन कैदियों ने खोदी सुरंग की तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की और उसके साथ चमत्कारी चम्मच का हैशटैग इस्तेमाल किया था। फिलिस्तीन सहित अरब देश के कई लोग कार्टून बना रहे हैं और इसे इजरायल की हार और फिलिस्तीन की जीत बता रहे हैं। विश्व में बनी अनेक भाषाओं की फिल्मों में सुरंग से कैदियों के फरार हो जाने को दिखाया गया है और हमेशा से ही यह दृश्य बहुत सनसनी और रोंगटे खड़े करने वाला होता है। हालांकि फिल्म शोले का संवाद 'हमारी जेल में सुरंग' हास्य का बोध करता है। भारत में हाथ से भोजन किया जाता है क्योंकि मान्यता है कि भोजन को हाथ से महसूस करने पर एक इंद्री तृप्त होती है। कालांतर में चम्मच का उपयोग किया जाने लगा। चम्मच को गैर जरूरी मानते हुए ही चम्मच शब्द को चापलूसी का समानार्थी माना गया। कबीर अपने दोहे में कहते हैं कि निंदक नियरे राखिए जिसका भावार्थ है कि ऐसा व्यक्ति जो निंदा करता हो वह अवगुणों और दोष को रेखांकित और चिन्हित करता है जिससे उनका निराकरण संभव हो पाता है। राजनीति में इसके उलट होता है यहां चम्मचे खास स्थान रखते हैं और नेताओं के दरबार की गुलफाम कली की तरह शोभा होते हैं।*

चमचों और नेताओं का सिद्धांतविहीन होना जरूरी है। एक बार अकबर ने बैगन की सब्जी खाते हुए कहा कि इसके सर पर ताज है यह सब्जियों का राजा है। बीरबल सहित सभी दरबारियों ने बढ़ा-चढ़ा कर सहमति की मोहर लगा दी। दूसरे दिन राजा का पेट खराब हो गया उसने कहा बैगन वाहियात सब्जी है। बीरबल ने कहा सही बात है जहांपंहा। अकबर बोले कल तो तुम भी बैगन की तारीफ कर रहे थे, बीरबल ने साफगोई से कहा कि मैं आपका खादिम हूं बैगन का नहीं। कभी-कभी चम्मचों के भी दिन भी फिर जाते हैं और वो खुद हांडी बन जाते हैं और नए चमचे अवतरित होते हैं गोया की बाजार में नए चरण उपलब्ध होते रहते हैं। कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने मोदी समर्थकों को भक्त और भाजपा के सायबर सोल्जर्स ने राहुल गांधी समर्थित लोगों को चमचे नाम दिया है। अब इंटरनेट की गटर-गंगा में भक्त और चमचों की जंग चल ही है। राष्ट्रीय स्तर पर मीडिया भी नेताओं की चम्मचगिरी करने में पीछे नहीं है और दो खेमों में बंटा है, एक मोदी पक्ष और दूसरा मोदी विरोधी।

दोनों पक्ष प्रबल तर्क रखते हुए समझाने के कोशिश में हैं कि हमको छोड़कर बाकी सब बिकाऊ हैं, हालांकि हमाम में सभी नंगे हैं। सच कोई भी नहीं दिखा रहा है। प्रशासनिक अधिकारी भी चमचों से अछूते नहीं हैं। पुरूष अधिकारी की महिला चम्मच सबसे ज्यादा खतरनाक होती है क्योंकि वह उसका घर भी तुड़वा सकती है। अधिकत्तर बहुओं में सास की चम्मचगिरी का हुनर नहीं होता है। अगर बहुएं इस विद्या में प्रवीण होती तो लड़के सास-बहु के बीच पिसने से बच जाते। चम्मचगिरी आदि काल से चली आ रही है और जब तक दुनिया है विद्यमान रहेगी। यह इंसानी फितरत की द्योतक है। चमचों की मिक्सी में अच्छे अच्छे पिसते रहेंगे। असल जिंदगी हो या राजनीति, मारक विचार है कि हांडी कितनी भी भरी क्यों ना हो वह खाली चमचे से ही होती है।

कातिशिवा मल्टीप्लेक्स बैतूल में

कातिशिवा स्क्रीन-1 शो टाईम : 12:30 PM, 3:30PM, 6:30 PM, 9:30 PM

कातिशिवा स्क्रीन-2 शो टाईम : 12 PM | 6 PM

कातिशिवा स्क्रीन-2 शो टाईम : 3 PM | 9 PM

विश्व एक नजर में

तालिबान ने यूएन में नामित किया राजदूत

काबुल। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता पाने के लिए अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने एक और कोशिश की है। अफगान सरकार ने कतर में शांति वार्ता के दौरान तालिबान के पंवक्ता रहे सुहैल शाहीन को संयुक्त राष्ट्र में राजदूत नामित किया है। इतना ही नहीं उसने संयुक्त राष्ट्र महासभा में बोलने की इजाजत भी मांगी है। तालिबान का फैसला उनके इस बयान के बाद सामने आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि वह संयुक्त राष्ट्र में विश्व नेताओं को संबोधित करना चाहते हैं। उधर, कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने विश्व नेताओं से आग्रह किया है कि तालिबान का बहिष्कार न किया जाए। अल थानी ने जोर देकर कहा, 'तालिबान के साथ बातचीत जारी रखने की जरूरत है क्योंकि बहिष्कार से केवल ध्रुवीकरण होगा जबकि बातचीत से सकारात्मक परिणाम आ सकते हैं।' उन्होंने यह बयान उन राष्ट्रध्यक्षों की तरफ इशारा करते हुए दिया जो तालिबान से बातचीत करने में घबरा रहे हैं और अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को मान्यता देने से कतरा रहे हैं। तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने गत 20 सितम्बर को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को चिट्ठी भी लिखी। मुत्ताकी ने सोमवार को खत्म होने वाली महासभा की वार्षिक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान बोलने की मांग की। गुटेरेस के पंवक्ता फरहान हक ने मुत्ताकी की चिट्ठी मिलने की पुष्टि की है।

कनाडा में भारतवंशी बने किंगमेकर

टोरंटो। कनाडा चुनावों में जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी को सबसे ज्यादा सीटें मिलीं हैं, लेकिन वह बहुमत से दूर है। बावजूद इसके वह आसानी से तीसरी बार कनाडा के पंधानमंत्री बन जाएंगे। इसमें उनकी मदद जगमीत सिंह की पार्टी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) करेगी। ट्रूडो को 338 सीटों वाले निचले सदन में 156 सीटें मिली हैं। बहुमत के लिए उसे 14 सीटों की दरकार है। वहीं, एनडीपी के पास 27 सीटें हैं, जो लिबरल पार्टी को अपना समर्थन देगी। ऐसे में भारतीय मूल के जगमीत सिंह सरकार गठन में किंगमेकर साबित होंगे। चुनावों में इस बार 17 भारतवंशियों ने जीत दर्ज की है। इस बार कनाडा चुनाव में 41 में से 16 पंजाबी जीतें हैं। वहीं, 21 पंजाबी महिलाएं भी चुनावी मैदान में उतरी थीं, इनमें से 6 को ही जीत मिली। रक्षा मंत्री हरजीत सिंह ने वेंकुवर दक्षिण से कंजरवेटिव पार्टी के सुखबीर गिल को हराया। विविधता मंत्री बरदीश छग्गर ने वाटरलू सीट, जबकि लोक सेवा मंत्री अनीता आनंद ने ओकविल सीट पर कब्जा बरकरार रखा है। चुनाव में जीते हरजीत सज्जन, अनीता आनंद और बरदीश छग्गर पूर्व मंत्रिमंडल में भी शामिल थे।एनडीपी नेता जगमीत सिंह बर्नबे सीट से जीते। सुख धालीवाल ने एनडीपी के अवनीत जोहाल को हराया। सर्रे सेंट्रल से लिबरल पार्टी के रणदीप सिंह सराई ने एनडीपी की सोनिया एंडी को हराया। पंजाब से अन्य जीते हुए पंत्याशियों में सोनिया सिद्धू, कमल खैहरा, ब्रदीश चग्घर, अनीता आनंद, जगजीत सिंह, मनिंदर सिद्धू, रणदीप सहाय, परम धालीवाल, जॉर्ज चाहल, जसराज हलण, टिम उप्पल भी शामिल हैं। केरल से भी एक भारतवंशी जीते हैं।

ब्राजील के राष्ट्रपति को फुटपाथ पर खाना पड़ा पिज्जा

न्यूयॉर्क। ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को न्यूयार्क में फुटपाथ पर खड़े होकर अपने सहकर्मियों, अधिकारियों के साथ पिज्जा के स्लाइस खाने पड़े। इस तस्वीर के बारे में कहा जा रहा है कि वे न्यूयॉर्क के फुटपाथ के किनारे पर खड़े थे। वे संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र में भाग लेने अमेरिका पहुंचे हैं। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दुनियाभर से राष्ट्रायक्ष अमेरिका आए हुए हैं। न्यूज एजेंसियों की माने तो यह तस्वीर रविवार रात की है जब ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को अमेरिकी होटल्स में पंवेश की अनुमति नहीं मिल सकी, इसलिए मजबूरन उन्हें फुटपाथ के किनारे खड़े होकर पिज्जा खाना पड़ा। दरअसल नियमों के मुताबिक होटल्स में एंट्री के लिए कोरोना वैक्सीन लगवाने का सर्टिफिकेट दिखाना अनिवार्य है। इसके बाद ही होटल के भीतर जा सकते हैं, लेकिन राष्ट्रपति बोल्सोनारो ने अभी तक वैक्सीन नहीं लगवाई है। उनका कहना है कि उनकी इम्युनिटी, कोरोना वायरस से लड़ने के लिए पर्याप्त मजबूत है। उनके सहयोगी मंत्रियों और अधिकारियों के पास भी वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट नहीं था, इस कारण से उन्हें होटल में एंट्री नहीं मिल सकी। उनके साथ इकोनॉमिका फेडरल बैंक के अध्यक्ष पेड्रो गुइमारेस, जनरल लुइज एडुआर्डो रामोस, पर्यटन मंत्री गिलसन मचाडो नेटो, स्वास्थ्य मंत्री मार्सेलो क्विरोगा और अन्य राजनेता थे। तस्वीर के वायरल होते ही कई पंकार की पंतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। बोल्सोनारो के समर्थकों ने इसे राष्ट्रपति की सादगी का एक उदाहरण बताया है तो आलोचक उन्हें तुरंत वैक्सीनेशन कराने की सलाह दे रहे हैं।

तिब्बतियों पर ड्रैगन ढा रहा जुल्म

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे ताकतवर फौज तैयार करने में लगे चीन ने अब अपने देश के नागरिकों के साथ जबरदस्ती भी शुरू कर दी है। ड्रैगन अब तिब्बत के लोगों को जबरन सेना में भर्ती कर रहा है। कम्युनिस्ट शासन ने हर घर से व्यक्ति का चीनी मिलिशिया में शामिल होना जरूरी कर दिया है। इस बात का खुलासा खुफिया रिपोर्ट में हुआ है। भारत के साथ लगते तिब्बत के इलाके में रहने वाले लोगों के हर घर से 18 से 40 साल तक के उम्र के एक व्यक्ति को चीनी मिलिशिया में शामिल होना अनिवार्य कर दिया गया है। हालांकि 18 साल के उम्र के बाद चीन के हर युवा को अपना रजिस्ट्रेशन मिलेट्री सर्विसिज के लिए करना होता है, लेकिन फौज में शामिल होना अब तक जरूरी नहीं था। अब चीन ने फिर से सेना में शामिल होना अनिवार्य कर दिया है। ये अनिवार्यता चीनी नागरिकों के लिए नहीं बल्कि तिब्बत के लोगों पर जबरन थोपी जा रही है।

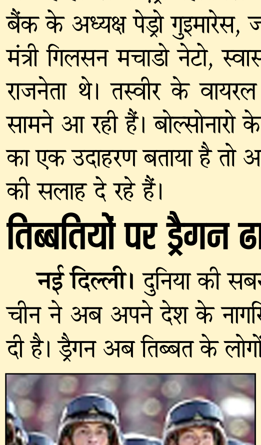

भावी विश्व महाशक्ति के भाषण की प्रतीक्षा

अशोक त्रिपाठी

किसी भी राजनेता के लिए यह गौरव की बात होती है कि वैश्विक स्तर के संगठन में उसके भाषण में कौन-कौन से मुद्दे उठाये जाएंगे, इसकी प्रतीक्षा की जा रही हो। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संयुक्त राष्ट्र संघ के ७६वें सत्र में भाषण की इसीलिए तमाम देशों के राष्ट्राध्यक्ष प्रतीक्षा कर रहे हैं। वैश्विक दृष्टिकोण से यह समय अति संवेदनशील है। भारत के पड़ोसी देश अफगानिस्तान में सत्ता पलट भी सामान्य घटना नहीं है। कोविड-१९ की भयावहता से भी हम पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाए हैं और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्या भी विकट से विकटतर होती जा रही है। वैश्विक आतंकवाद से भी मानवता कराह रही है। ऐसे हालात में अमेरिका और फ्रांस, इंग्लैण्ड जैसे देश भी भारत के प्रधानमंत्री के रुख को जानना चाहते हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कहा है कि पीएम मोदी का भाषण दुनिया के नेताओं में सबसे बहुप्रतीक्षित है। इसके पीछे ठोस कारण भी है। पीएम मोदी भ्रष्टाचार के जीरो टालरेन्स सिद्धांत पर चलते हैं। अमेजन मामले की भी इसीलिए जांच करायी जा रही है। देश में नौकरशाही को भी इसी दृष्टि से बार-बार सचेत किया जाता है।

संयुक्त राष्ट्र (यूएन में भारत के स्थायी पंतिनिधि टीएस तिरुमूर्ति ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र में पंधानमंत्री नरेंर्द मोदी का भाषण दुनियाभर के नेताओं के बीच सबसे बहुर्पतीक्षित स्पीच में से एक है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में पीएम मोदी के एजेंडे में कौन-कैसे मुद्दे होंगे इस पर तिरुमूर्ति ने कहा, पीएम मोदी का भाषण दुनिया के नेताओं में सबसे बहुर्पतीक्षित है। उन्होंने (पंधानमंत्री मोदी ने) हमेशा दुनिया के सामने कुछ पंमुख मुद्दों को उठाया है, जो मुद्दे हमारे लिए महत्वपूर्ण और चिंता का विषय हैं। साथ ही घरेलू मोर्चे पर भारत कुछ उपलब्धियों को रेखांकित किया है। तिरुमूर्ति ने कहा कि 76वें सत्र में कोविड-19 महामारी और अफगानिस्तान का मुद्दा हावी रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी और इसके मानवीय पंभाव के अलावा बैठक में वैश्विक आर्थिक नरमी, विकास के लिए वित्तपोषण, आतंकवाद और उससे जुड़े मुद्दे, जलवायु परिवर्तन, अफगानिस्तान समेत वैश्विक स्तर पर चल रहे संघर्षों का मुद्दा हावी रहने की संभावना है।

महत्वपूर्ण समय में भारत के एनएनओ को संबोधित करने के महत्व के बारे में तिरुमूर्ति ने कहा, भारत विकासशील दुनिया के लिए अग्रणी आवाज होने के साथ-साथ सुरक्षा परिषद का सदस्य होने के नाते वैश्विक मुद्दों को उठाने के लिए अपनी आवाज का इस्तेमाल करेगा। इनमें जलवायु परिवर्तन, सतत विकास लक्ष्य, कोविड टीकों के लिए न्यायसंगत और किफायती पहुंच, गरीबी उन्मूलन एवं आर्थिक सुधार, महिला सशक्तिकरण और सरकारी संरचनाओं में उनकी भागीदारी, आतंकवाद का मुकाबला, शांति स्थापना एवं शांति निर्माण, यूएनएससी सुधार आदि शामिल हैं। पंधानमंत्री नरेंर्द मोदी इस सप्ताह अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान क्वाड समूह के नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इसके बाद 25 सितंबर को वे न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 76वें सत्र के एक उच्च स्तरीय खंड को भी संबोधित करेंगे। पंधानमंत्री नरेंर्द मोदी दूसरों को उपदेश ही नहीं देते वरन खुद आचरण भी करते हैं। गत दिनों मोदी ने केंर्द सरकार के विभिन्न विभागों के सचिवों के साथ लंबी बैठक की और कहा कि उन्हें इस बात पर आश्चर्य है कि विकास का ड्रष्टिकोण होने के बाद भी नौकरशाह उन्हें अमलीजामा पहनाने में पिछड़ क्यों जाते हैं। केंर्दीय मंत्रिपरिषद में एक बड़े फेरबदल के कुछ महीनों बाद यह बैठक हुई जो चार घंटे से अधिक समय तक चली। सूत्रों के मुताबिक कई सचिवों ने विभिन्न नीतिगत मामलों पर अपना ड्रष्टिकोण साझा किया तथा शासन में सुधार एवं जमीनी स्तर पर योजनाओं एवं कार्यक्रमों को उतारने के बारे में सुझाव दिये। सूत्रों के अनुसार सचिवों की बातें सुनने के बाद मोदी ने कहा कि यह काबिलेतारीफ है कि उन सभी के पास ड्रष्टिकोण तो है लेकिन इस बात पर आश्चर्य है कि उस ड्रष्टिकोण को अमलीजामा क्यों नहीं पहनाया जा रहा है। पंधानमंत्री ने सचिवों से कहा कि उन्हें अपने विभाग के सचिव के रूप में बर्ताव करने के बजाय अपनी अपनी टीमों के नेता के रूप में काम करना चाहिए। सूत्रों के अनुसार कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के बाद पंधानमंत्री मंत्रियों एवं शीर्ष अधिकारियों के साथ उनमें नयी ऊर्जा भरने तथा सरकार के कामकाज में उत्साह का संचार करने के लिए बैठकें कर रहे हैं।

पीएम मोदी की कार्यशैली का एक नमूना ये भी है कि अमेजन के कानूनी पंतिनिधियों द्वारा भारत में अधिकारियों को रिश्वत देने के आरोपों की जांच होगी। भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर जोर देते हुए सरकार ने यह बात कही। कहा जा रहा है कि अमेरिकी ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने रिश्वत के आरोपों की जांच शुरू कर दी है। एक अमेरिकी वेबसाइट ने यह सूचना दी। अधिकारियों ने कहा कि जहां तक भारत सरकार का सवाल है, भ्रष्टाचार के पंति सरकार की नीति जीरो टॉलरेंस की है अर्थात् सरकार करप्शन बर्दाश्त नहीं करेगी। अधिकारियों ने कहा कि रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि रिश्वत देने की घटना कब और किस राज्य में हुई।

सरकारी अधिकारियों ने कहा, अमेजन लीगल फीस के रूप में 8,500 करोड़ रुपये खर्च कर रहा है। यह सोचने का समय है कि यह कहां जा रहा है। ऐसा लगता है कि जैसी पूरी पंणाली रिश्वत काम करती है और यह अच्छी कारोबारी गतिविधियां नहीं हैं। अधिकारी अमेजन पर जमकर बरसे और कानून तोड़ने वालों को दंडित करने का आग्रह किया। अधिकारियों ने अमेजन की कुछ कंपनियों के सार्वजनिक खातों का हवाला दिया, जिन्होंने दो साल में कानूनी शुल्क के रूप में खर्च लगभग 8,500 करोड़ रुपये दिखाया है। 'द मॉर्निंग कॉन्टेक्स्ट' की एक खबर के अनुसार, अमेजन ने भारत सरकार के अधिकारियों को कथित रूप से रिश्वत देने के लिए अपने कुछ कानूनी पंतिनिधियों के खिलाफ जांच शुरू की है। खबरों के मुताबिक, इस संबंध में उसने अपने वरिष्ठ कॉरपोरेट वकील को छुट्टी पर भेज दिया है।

अमेजन के एक पंवक्ता ने कहा, हम भ्रष्टाचार को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करते। हम अनुचित कार्यों के आरोपों को गंभीरता से लेते हैं, उनकी पूरी जांच करते हैं, और उचित कार्रवाई करते हैं। हम इस समय विशिष्ट आरोपों या किसी भी जांच की स्थिति पर टिप्पणी नहीं कर रहे हैं। इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा कि अमेजन जैसी अमेरिकी कंपनियां 'व्हिसलब्लोअर' की शिकायतों को गंभीरता से लेती हैं। खासकर वे जो कारोबार को बनाए रखने या हासिल करने के लिए विदेशी सरकारी अधिकारियों को रिश्वत के भुगतान से संबंधित हैं। यह कॉरपोरेट पंशासन नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए भी है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब ई-कॉमर्स कंपनी कथित पंतिस्पर्धा-विरोधी पंथाओं, विक्रेताओं के तरजीही व्यवहार आदि को लेकर निष्पक्ष व्यापार नियामक, भारतीय पंतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की जांच का सामना कर रही है। बहरहाल, भारत चाहता है कि वो दूसरों पर तभी उंगली उठाएगा, जब कोई उस पर उंगली न उठाए। **(हिफी)**

बॉलीवुड में बिपाशा बसु के 20 साल पूरे

अभिनेत्री बिपाशा बसु की पहली फिल्म अजनबी को हिंदी सिनेमा में रिलीज हुए दो दशक पूरे हो गए हैं। अभिनेत्री अपनी पहली फिल्म के बारे में जिक्र करते हुए कहती हैं कि अजनबी में अपने पहले किरदार से ही उन्हें एक कलाकार के रूप में अपनी रेंज तलाशने का मौका मिला था। अब्बास-मस्तान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में बिपाशा ने अक्षय कुमार, बॉबी देओल और करीना कपूर खान के साथ अभिनय किया था। पुराने दिनों की याद को ताजा करते हुए बिपाशा ने कहा कि अक्सर आपको अपनी पहली फिल्म के लिए इतना बारीक और अपरंपरागत किरदार निभाने का मौका नहीं मिलता है। उन्होंने आगे कहा कि एक थ्रिलर प्याज की तरह परत दर परत छीलती है और यह आपको उन परतों के साथ खेलने की अनुमति देती है। इसलिए, अपने पहले रोल सोनिया के साथ मुझे एक कलाकार के रूप में अपनी सीमा का पता लगाने का अवसर मिला। अब्बास-मस्तान और पूरी टीम के साथ काम करने का अनुभव अविश्वसनीय था। हालांकि, इस फिल्म के बाद बिपाशा ने राज, अपहरण, ओमकारा, नो एंट्री, कॉर्पोरेट और धूम 2 जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया।

फिल्म 'रोजी द सैफरन चैप्टर' में दिखेंगी पलक

टीवी की दुनिया की मशहूर अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी की पहली फिल्म 'रोजी द सैफरन चैप्टर' अक्टूबर में रिलीज होगी। इस बात की पुष्टि फिल्म की निर्माता पेंरणा वी। अरोड़ा ने की है। फिल्म की रिलीज के बारे में बोलते हुए फिल्म निर्माता पेंरणा ने कहा, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि 'रोजी' इस अक्टूबर में रिलीज होगी। यह फिल्म नोएडा में हुई एक वास्तविक जीवन की घटना पर आधारित है और इस फिल्म में हमारा मुख्य फोकस 'अकाल मृत्यु' और परिवार और दोस्तों पर उनके पंभावों के बारे में है। रिलीज किए गए टीजर ने पहले ही दर्शकों को कहानी में एक झलक दी है और उनसे मिली पंतिक्रिया दिल को छू लेने वाली थी। हम यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते कि दर्शक फिल्म पर कैसे पंतिक्रिया देते हैं। फिल्म पुणे, लखनऊ और अन्य शहरों सहित भारत के विभिन्न स्थानों पर फिल्माई गई एक डरावनी पेंम कहानी है। फिल्म में अरबाज खान, तनीषा मुखर्जी भी हैं और फिल्म का निर्देशन विशाल रंजन मिश्रा ने किया है। बता दें कि पलक सोशल मीडिया सेंसेशन भी हैं। वो अक्सर अपने हॉट अवतार से सनसनी मचाती रहती हैं। सोशल मीडिया पर पलक काफी एक्टिव रहती हैं। फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

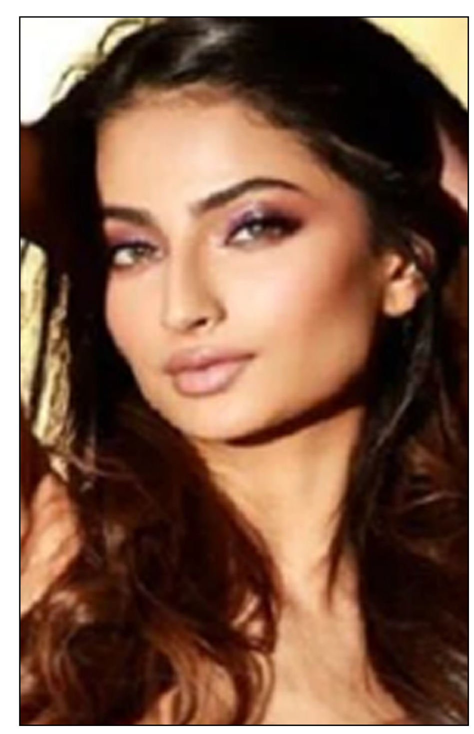

मानव तस्करी का मजबूत होता तंत्र

अशोक त्रिपाठी

केन्द्र में नरेन्द्र मोदी की सरकार बनने अर्थात् जुलाई २०१४ में राज्यसभा में मानव तस्करी से जुड़ा एक सवाल पूछा गया था। इसका जवाब देते हुए तत्कालीन गृह राज्यमंत्री किरेन रिजिजू ने बताया था कि वर्ष २०११, २०१२ और २०१३ के दौरान क्रमशः ३५१७, ३५५४ और ३९४० मामले दर्ज किये गये। इसका मतलब कि मानव तस्करी के मामले प्रतिवर्ष बढ़ते जा रहे हैं। भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची के अन्तर्गत पुलिस व लोक व्यवस्था राज्य के विषय हैं। इस प्रकार मानव तस्करी के अपराध को रोकने का प्राथमिक दायित्व राज्य सरकार का है। पिछले दिनों झारखण्ड में मानव तस्करी को लेकर जन शिकायतें ज्यादा मिली हैं। इसलिए मौजूदा हेमंत सोरेन सरकार को इस दिशा में विशेष ध्यान देना पड़ेगा।

संयुक्त राष्ट्र की परिभाषा के अनुसार किसी व्यक्ति को बल पंयोग कर, डराकर, धोखा देकर, हिंसा जैसे तरीकों से भर्ती, तस्करी या बंधक बना कर रखना मानव तस्करी के अंतर्गत आता है। इसमें पीड़ित व्यक्ति से देह व्यापार, घरेलू काम, गुलामी इत्यादि कार्य पीड़ित व्यक्ति की इच्छा के विरुद्ध कराये जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानव तस्करी सबसे नवीनतम पंकार का अपराध है। यह आधुनिक पंकार का अपराध देश के लगभग हर हिस्से में बहुत तेजी से अपने पंख फैला रहा है। गैर कानूनी तरीकों से लोगों को किसी और देश की सीमा पार कराना ही मानव तस्करी को परिभाषित नहीं करता है बल्कि इसमें अन्य गतिविधियाँ भी शामिल होतीं हैं। मानव तस्करी में जबरन वेश्यावृत्ति करना, बंधक मजदूर बनाना, गुलामी कराना, जबरदस्ती भीख मांगना, जबरन आपराधिकता में शामिल करना, घरेलू गुलामी, जबरन शादी करना, जबरन अंग निकालना (जैसे किडनी, आँख, खून इत्यादि) और जबरदस्ती नशीली दवाओं की तस्करी शामिल है।

मानव तस्करी के पीछे आम कारण गरीबी से बचने के लिए, जीवन को बेहतर बनाने के लिए, अपने परिवारों का भरण पोषण करने के लिए, नौकरी पाने के लिए और कुछ लोग नौकरी, यात्रा और आवास की व्यवस्था करने और अन्य पंकार के जेब खर्च करने के लिए उधार ले लेते हैं लेकिन जब उन्हें जॉब नहीं मिलती है तो ये लोग उधार देने वाले लोगों का आसानी से शिकार बन जाते हैं। कुछ मामलों में तो तस्कर, लोगों के डाक्यूमेंट्स और अन्य जरूरी कागजात भी रख लेते हैं और जब तक उनका कर्ज नहीं चुकता हो जाता है तब तक ये लोग शोषण करते हैं। तस्करी के शिकार लोगों में 51 फीसद महिलाएं, 28 फीसद बच्चे और 21 फीसद पुरुष बताए जाते हैं।

भारत उन देशों में से है, जिनमें मानव तस्करी के शिकार लोगों की सबसे बड़ी संख्या है। एक अनुमान के अनुसार भारत में एक गरीब बच्ची को वेश्यावृत्ति में फंसाने में सिर्फ 48 घंटे लगते हैं। झारखंड के बच्चों की तस्करी ज्यादातर दिल्ली में सुव्यवस्थित प्लेसमेंट एजेंसी रैकेट के माध्यम से होती है। ये प्लेसमेंट एजेंसियां दिल्ली, फरीदाबाद, गुड़गांव और नोएडा सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के घरों में आदिवासी बच्चों की आपूर्ति करती हैं। कुछ को शादी के लिए बेच दिया जाता है जहां वे सभी रूपों में कभी न खत्म होने वाले दुर्व्यवहार का शिकार होती हैं। झारखंड आज भारत में मानव तस्करी के लिए एक पंमुख क्षेत्र के रूप में उभरा है। झारखंड से अधिकांश तस्करी आदिवासियों की घरेलू श्रम के लिए महानगरों में होती है, जहां इनसे अनेक तरह के काम करवाए जाते हैं। दिल्ली जैसे शहरों में कई अवैध प्लेसमेंट एजेंसियां सामने आई हैं। ये एजेंसियां रोजगार मुहैया कराने के नाम पर ज्यादातर मासूम लड़कियों की तस्करी में कानूनी खामियों का फायदा उठाती हैं। इन लड़कियों के लिए पंतिदिन 12-14 घंटे काम करना एक नियमित अभ्यास है। कई शारीरिक और यौन शोषण की भी शिकायत करती हैं। कुछ पीड़ितों को बंधुआ मजदूरी और जबरन विवाह के उद्देश्य से हरियाणा और पंजाब ले जाया जाता है। झारखंड से सरोगेसी के लिए महिलाओं की तस्करी करने का मामला भी पंकाश में आया है। वे ऐसे बच्चों को जन्म देती हैं, जिन्हें बाद में बेच दिया जाता है। तस्करी से पंभावित जिलों में गुमला, गढ़वा, साहिबगंज, दुमका, पाकुड़, पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा), रांची, पलामू, हजारीबाग, धनबाद, बोकारो, गिरडीह, कोडरमा और लोहरदगा शामिल हैं। झारखंड से तस्करी की गई अधिकांश महिलाएं उरांव, मुंडा, संथाल (लुप्तपंाय पहाड़िया सहित) और गोंड जनजातियों से संबंधित होते हैं, जिनमें से अधिकांश उरांव और मुंडा ही होते हैं। पलामू और गढ़वा जिले उत्तर पंदेश में कालीन उद्योग में बाल श्रम की तस्करी के लिए जाना जाता हैं। झारखंड और छत्तीसगढ़ से लड़कियों की तस्करी करने वाले तस्करों के लिए भी एक पड़ाव है। छत्तीसगढ़, झारखंड, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल जैसे आदिवासी राज्यों के तस्कर प्लेसमेंट एजेंट के करीबी नेटवर्क में काम कर रहे हैं।

झारखंड के बच्चों की तस्करी ज्यादातर दिल्ली में सुव्यवस्थित प्लेसमेंट एजेंसी रैकेट के माध्यम से होती है। ये प्लेसमेंट एजेंसियां दिल्ली, फरीदाबाद, गुड़गांव और नोएडा सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के घरों में आदिवासी बच्चों की आपूर्ति करती हैं। ये एजेंसियां ज्यादातर 11-16 आयु वर्ग के बच्चों को निशाना बनाती हैं जो शोषण के बाद भी चुप्पी साधे रहते हैं। अवैध व्यापार के शिकार लोगों को भीड़भाड़ वाले कमरों में रखा जाता है, उन्हें जीवित रहने के लिए मुश्किल से ही खिलाया जाता है, जब तक कि उन्हें कहीं नहीं रखा जाता। भाग्यशाली लोग घरेलू सहायिका के रूप में एक 'कोठी' में काम पाती हैं। कुछ को शादी के लिए बेच दिया जाता है जहां वे सभी रूपों में कभी न खत्म होने वाले दुर्व्यवहार का शिकार होती हैं।

झारखंड के स्रोत क्षेत्रों और उत्तर भारत के गंतव्य क्षेत्रों में तस्कर नेटवर्क के रूप में काम करते हैं और बहुत संगठित हैं। दिल्ली के पंजाबी बाग पुलिस थाने के शकूरपुर इलाके में या तो झारखंड के प्लेसमेंट एजेंट हैं या झारखंड से संबंधित हैं।

झारखंड से यह तस्करी (जैसा कि हाल के कुछ बचाए गए लोगों से पता चलता है) काफी संगठित है। निरक्षरता, स्थायी रोजगार की कमी, कृषि के लिए खराब सिंचाई सुविधाएं, एकल फसल पैटर्न, जागरूकता की कमी, राजनीतिक अस्थिरता कुछ ऐसे कारण हैं जो लोगों को तस्करी के पंति संवेदनशील बनाते हैं। अवैध व्यापार करने वाले इन स्थितियों का लाभ उठाते हैं। सुव्यवस्थित मार्गों और ट्रेनों का एक नेटवर्क है जो इसके लिए तस्करों द्वारा अक्सर उपयोग किया जाता है। तस्कर बच्चों को ले जाने के लिए ज्यादातर झारखंड संपर्क क्रांति एक्सपेंस, मुरी एक्सपेंस और स्वर्ण जयंती एक्सपेंस का इस्तेमाल करते हैं। झारखंड के आदिवासी इलाकों से हजारों लड़कियां लापता हो गई हैं, लेकिन राज्य के पास कोई रिकॉर्ड नहीं है। झारखंड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल के आदिवासी जिले तस्करी के लिए सबसे अधिक संवेदनशील हैं। झारखंड में हजारों लड़कियां और लड़के लापता हैं। यह भी देखा गया है कि स्कूल जाने वाली लड़कियां और लड़के अवैध व्यापार के जोखिम के पंति समान रूप से संवेदनशील हैं।

झारखंड बाल श्रम की एक बड़ी समस्या का सामना कर रहा है। राज्य गढ़वा, साहिबगंज, दुमका, पाकुड़, पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा), गुमला, पलामू, हजारीबाग और रांची में राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना चला रही है। हेमंत सोरेन सरकार को इस तस्कारी को रोकने की सुनियोजित व्यवस्था करनी चाहिए। **(हिफी)**

हरीश रावत ने किया गुड़ गोबर

अशोक त्रिपाठी

पंजाब में कांग्रेस के प्रभारी मंत्री हरीश रावत ने ठीक उसी समय यह बयान क्यों दिया जब चरणजीत सिंह चन्नी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। पंजाब में पहली बार किसी दलित नेता को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाया गया है। कांग्रेस ने कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री के पद से हटाकर गलती की, ऐसा सभी लोग मानते हैं लेकिन वहां के नेताओं ने ऐसे हालात ही पैदा कर दिये थे जिससे कैप्टन को कुर्सी से उतारना ही पड़ा। कांग्रेस के पास कैप्टन के कद का कोई नेता नहीं है और ६ महीने बाद ही विधानसभा के चुनाव होने हैं। इस सब के बाद भी दलित मुख्यमंत्री का कार्ड भारी पड़ रहा था। हरीश रावत ने बयान दिया कि विधानसभा के चुनाव नवजोत सिद्धू के चेहरे पर लड़े जाएंगे। इसका सीधा मतलब कि दलित नेता को सिर्फ दिखाने के लिए सीएम बनाया गया है। अकाली दल और पंजाब में उसकी सहयोगी बसपा प्रमुख मायावती ने इस मामले को तुरंत उठाया। इस प्रकार पंजाब में हरीश रावत ने कांग्रेस का सारा गुड़ गोबर कर दिया है। हरीश रावत के बयान को हाईकमान का मंतव्य समझा जा रहा है। यदि हाईकमान ने नवजोत सिद्धू को है। साधारण राजनीति भी यही बताती है कि दलित मुख्यमंत्री बनाते ही सवर्ण जाट का चेहरा आगे करने से पूरी रणनीति बिखर गयी है। सिद्धू के मन का ही तो सब कुछ हो रहा था, फिर बयान देने की हरीश रावत को इतनी जल्दी क्यों हुई?

इसमें कोई संदेह नहीं कि पंजाब के नए सीएम ने अच्छी छाप छोड़ी। पंजाब के सीएम चरणजीत सिंह चन्नी ने पदभार संभालने के बाद किसानों और आम लोगों को बड़ा तोहफा दिया है। चन्नी ने शपथ ग्रहण करने के बाद अपने पहले संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हम किसानों के पानी और बिजली के बिल माफ करेंगे।' पंजाब के सीएम ने कहा, 'पंजाब सरकार किसानों के साथ खड़ी है। हम केंर्द से तीन कृषि कानूनों को वापस लेने की अपील करते हैं। अगर ये तीनों कानून वापस नहीं लिए गए तो किसानी खत्म हो जाएगी और पंजाब के हर परिवार पर फर्क पड़ेगा।' उन्होंने इसके साथ ही कहा किसानों पर अगर किसी तरह की आंच आई तो वह अपनी गर्दन पेश कर देंगे। उन्होंने अपने को आम आदमी (कामन मैन) बताया।

चंडीगढ़ में अपनी पहली पेंस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए चन्नी भावुक हो गए। उन्होंने खुद के गरीब परिवार में पैदा होने का जिक्र करते हुए कहा कि वह इस बड़ी जिम्मेदारी देने के लिए कांग्रेस नेतृत्व का धन्यवाद करते हैं। उन्होंने कहा कि 'कांग्रेस ने एक आम आदमी को मुख्यमंत्री बना दिया है।' उन्होंने कहा कि पार्टी सुपीम है। सीएम या एमएलए सुपीम नहीं है।' उन्होंने कहा कि सरकार कांग्रेस की विचारधारा पर चलेगी, जो सबको साथ लेकर चलने की है। उन्होंने कहा कि जाति या संर्पदाय के नाम पर कोई तोड़ नहीं सकता। उन्होंने कहा, 'पंजाब की एकता, अखंडता और भाईचारा को कायम रखना है। हम सबको मिलकर रहना है। पंजाब को आगे बढ़ाना है। चन्नी ने यह भी कहा कि रेत माफिया के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और सभी मुद्दों का समाधान होगा। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व की ओर से तय 18 सूत्री कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि वह राज्य के लोगों का भरोसा दिलाते हैं कि आने वाले दिनों में सभी मसलों का हल होगा। नवनियुक्त सीएम ने कहा, 'मैं पंजाब के आम लोगों की आवाज बनूंगा। कैप्टन अमरिंदर सिंह पर चन्नी ने कहा 'वह हमारे नेता हैं। उन्होंने कहा कि कैप्टन सरकार के अधूरे काम हम पूरे करेंगे।' चन्नी ने कहा, 'राहुल गांधी एक क्रांतिकारी नेता हैं। मैं पंजाब पंदेश कांग्रेस, कैप्टन अमरिंदर सिंह और पंजाब के लोगों का शुक्रगुजार हूं।' चन्नी ने कहा, 'मैं खुद एक रिक्शा चालक रहा हूं? मैं किसी को भी कृषि क्षेत्र को चोट नहीं पहुंचाने दूंगा। मैं केंर्द से काले कानूनों को निरस्त करने की अपील करूंगा। मैं किसानों के संघर्ष का पूरा समर्थन करता हूं।' चन्नी ने इतना अच्छा माहौल बनाया था लेकिन हरीश रावत के बयान ने किये धरे पर पानी फेर दिया। अभी कुछ दिन पहले ही पंज प्यारे कहकर वे कांग्रेस की फजीहत करवा चुके हैं। गौरतलब है कि राज्य में विपक्षी दल आम आदमी पार्टी ने ऐलान किया था कि अगर वह आगामी चुनावों के बाद सरकार में आई तो फ्री बिजली और पानी का इंतजाम करेगी। ऐसे में कांग्रेस सरकार की कोशिश है कि वह अपने विपक्षियों को जनता के बीच कोई खास मौका न दे इसीलिए पंजाब में कांग्रेस पार्टी ने एक दलित चरनजीत सिंह चन्नी को सीएम की कुर्सी पर बैठाया और इधर यूपी में मायावती ने कांग्रेस पार्टी पर हमला बोल दिया। कांग्रेस और बसपा का दलित वोट बैंक से रिश्ता ही ऐसा है। एक का प्लस दूसरे का माइनस बन जाता है। दलित पहले कांग्रेस के साथ थे। जैसे जैसे उसका साथ छोड़ते गये, बसपा के साथ जुड़ते गये। इसीलिए कांग्रेस खत्म होती गयी और बसपा खिलती गयी। अब मायावती सशंकित रहती हैं कि कहीं दलित फिर से न कांग्रेस की ओर रूख कर लें। कांग्रेस की यही लालसा है कि उसका घर फिर से दलित बसा दें। झगड़ा इसी का है। पंजाब और यूपी में अगले साल एक साथ विधानसभा के चुनाव होने हैं। पंजाब में तो कांग्रेस ने दलित कार्ड चल दिया है लेकिन, इसे यूपी में भी खूब पंचारित किया जायेगा। दलित वोट बैंक की गोलबंदी के लिए कांग्रेस पार्टी यूपी की अपनी रैलियों और सभाओं में भी इसे जोर जोर से बताएगी कि उसने एक दलित को सीएम बनाया। दलित वोट बैंक से कांग्रेस और बसपा का क्या रिश्ता रहा है। आंकड़े बताते हैं कि 1985 के बाद से कांग्रेस का ग्राफ गिरता चला गया। 1985 में यूपी में कांग्रेस का वोट शेयर 39 फीसदी था। 1989 में ये गिरकर 29 फीसदी रह गया। 1991 में तो मात्र 18 फीसदी ही बचा। 1993 में और गिरकर 15 फीसदी पर आ टिका। यही वो चुनाव था जिसमें दलित वोटबैंक पूरी तरह कांग्रेस से टूटकर बसपा के खेमे में जा खड़ा हुआ। बसपा के आंकड़े देखिए। 1989 और 1991 के चुनाव में बसपा को मात्र 10 फीसदी वोट मिले थे लेकिन, 1993 में उसका वोट शेयर बढ़ गया। पार्टी को 28 फीसदी से ज्यादा वोट मिले। बसपा के लिए यही चुनाव टर्निंग प्वाइंट था। इस चुनाव में दलित वोट बैंक कांग्रेस से पूरी तरह टूटकर बसपा के खेमें में आ चुका था। तब से लेकर आजतक बसपा गिरती हालत में भी 20 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल करती रही है और कांग्रेस 10 फीसदी से कम (2012 के चुनाव को छोड़कर)। बता दें कि इसी के बाद बसपा को सत्ता में आने का मौका हासिल हुआ। मायावती इसी वोट बैंक के सहारे चार बार सीएम बनीं। भले ही ये कहा जाए कि मायावती को सीएम बनाने में और भी कई समुदायों का वोट बैंक शामिल रहा है लेकिन, कोर वोट बैंक तो दलित समुदाय ही माना जाता है।

अब कांग्रेस बसपा से इस वोट बैंक की छीनाझपटी में लगी है। ऐसा होते देख मायावती भला चुप कैसे रह सकती हैं। उन्हें भी तो अपना घर बचाना है। लिहाजा वे भाजपा पर हमला बोलते-बोलते कांग्रेस को लपेटे में लेना नहीं भूलतीं। चरणजीत सिंह चन्नी के राज्य का सीएम चुने जाने के बाद हरीश रावत ने सिद्धू के चेहरे पर चुनाव लड़ने की बात कह दी। पंजाब राज्य कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने पार्टी के पंजाब के पंभारी हरीश रावत के उस बयान को लेकर असहमति जताई है जिसमें उन्होंने (रावत) ने कहा था कि अगले वर्ष होने वाले राज्य के विधानसभा चुनाव नवजोत सिंह सिद्धू की अगुवाई में लड़े जाएंगे। ***(हिफी)***

कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए दिया प्रशिक्षण

बैतूल(राष्ट्रीय जनादेश)। *कोरोना संक्रमण की रोकथाम हेतु संचार रणनीति क्रियान्वयन प्रशिक्षण मंगलवार 21 सितम्बर को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में कोरोना संक्रमण की विधिधताएं एवं इसे रोकने के हथियार एसएमएस (सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क, सैनिटाइजर) का इस्तेमाल एवं संक्रमण से बचाव की सर्वाधिक सशक्त रणनीति कोविड टीकाकरण के संदर्भ में विस्तार से जानकारी दी गई। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिये अपनाये जाने वाले व्यवहार एवं कोरोना अनुकूल मुख्य व्यवहार अपनाने में बाधाएं तथा किये जाने वाले संवाद का प्रशिक्षण प्रदाय किया गया।*

प्रशिक्षण में लक्ष्य प्राप्ति हेतु प्रस्तावित संचार रणनीति के तहत् सामुदायिक सहभागिता हेतु वकालत, सामाजिक उत्प्रेरण हेतु साझा दायित्व, सामाजिक उत्प्रेरण हेतु स्थानीय भाषा, बोली, लोककला शैलियों के समावेश, सकारात्मक वातावरण निर्माण हेतु मीडिया की सहभागिता, डिजिटल एवं सोशल मीडिया का उपयोग, क्षमतावर्धन उन्मुखीकरण एवं स्थानीय प्रभावशाली व्यक्ति, चेम्पियंस की भूमिका संबंधी विस्तृत चर्चा की गई। प्रशिक्षण के अंत में प्रस्तावित क्रियान्वयन योजना निर्माण संबंधी प्रशिक्षण प्रदाय किया गया। प्रशिक्षण में जिला स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला नोडल अधिकारी कोरोना डॉ. सौरभ राठौर, जिला मीडिया अधिकारी श्रुति गौर तोमर, उप मीडिया अधिकारी श्रीमती अभिलाषा खर्डेकर, श्री महेशराम गुबरेले एवं विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों सहित महाविद्यालयीन प्रतिनिधि सम्मिलित रहे।

ऐश्वर्या राय का बचपन

इंडस्ट्री में अपने अंदाज और अभिनय से अपनी खास जगह बनाने वाली एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय देवदास और धूम जैसी बड़ी और एक दूसरे से एकदम डिफरेंट फिल्मों में काम के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने अपने अभिनय से फैंस का दिल जीत लिया है। ऐश्वर्या राय एक ऐसी एक्ट्रेस हैं जो बॉलीवुड में अपने अभिनय के साथ ही अपनी खूबसूरती के लिए भी मशहूर हैं। फैंस के साथ ही सेलेब्स भी उनकी खूबसूरती की जमकर तारीफ करते हैं। फिलहाल तो उनका एक फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह ऐश्वर्या राय का बचपन का फोटो है जिसमें वे अपनी बेटी अराध्या बच्चन के साथ नजर आ रही हैं। ऐश्वर्या राय की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। इस तस्वीर में देखा जा सकता है कि वे बेबी फ्रॉक और बेबी हेयरकट में नजर आ रही हैं। ठीक उनके दूसरी तरफ उनकी बेटी अराध्या बच्चन की तस्वीर है जिसमें वह भी पिंक कलर की बेबी फ्रॉक में बेबी हेयरकट में नजर आ रही हैं। दोनों की तस्वीर देख फैंस हैरान हैं दोनों की तस्वीर एक दूसरे से काफी मेल खाती हुई दिखाई दे रही हैं। इस तस्वीर को देख फैंस कमेंट करते हुए कहते हैं- वाह टू इन वन अराध्या बिल्कुल मां के ऊपर गई हैं। ऐश्वर्या राय के वर्कफ्रंट की बात करें तो वे अब जल्द ही फिल्म में नजर आने वाली हैं।

कांग्रेस के प्रबल प्रतिद्वन्द्वी हैं केजरीवाल

अशोक त्रिपाठी

शरद पवार जी ने पिछले दिनों ठीक ही कहा था कि कांग्रेस पुराने जमींदारों की तरह सोच रही है। अब तक माना जा रहा था कि मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस है और भाजपा का मुकाबला उसी के नेतृत्व में किया जा सकता है लेकिन यह सच्चाई नहीं रह गयी है। अब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल कांग्रेस के प्रबल प्रतिद्वन्द्वी बनकर सामने आ रहे हैं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी भी नई ताकत बनकर उभरी हैं लेकिन उनका प्रभाव सिर्फ पश्चिम बंगाल तक ही सीमित है लेकिन अरविन्द केजरीवाल कई राज्यों में प्रभाव बना रहे हैं। पंजाब में तो उनकी पार्टी मुख्य विपक्षी दल का दर्जा हासिल ही कर चुकी है। इस बार गोवा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड में भी केजरीवाल की आम आदमी पार्टी कड़ा मुकाबला करेगी और कांग्रेस तब निश्चित रूप से उसके पीछे खड़ी नजर आएगी। आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने २१ सितम्बर को विधानसभा चुनाव के मद्देनजर गोवा में नौकरियों और बेरोजगारी के बारे में सात घोषणाएं कीं। केजरीवाल ने वादा किया कि अगर आप सत्ता में आती है तो वह भ्रष्टाचार को रोकेगी। साथ ही वह राज्य के युवाओं की सरकारी नौकरियों में पहुंच सुनिश्चित करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि हर घर से एक बेरोजगार व्यक्ति को नौकरी मिलेगी और काम की तलाश में बेरोजगार लोगों को ३,००० रुपये का भत्ता मिलेगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की है कि राज्य में ८० पंतिशत नौकरियां गोवा के मूल निवासियों के लिए आरक्षित होंगी। आम आदमी पार्टी के एक ट्वीट के अनुसार गोवा के लिए पार्टी ने ऐलान किया है कि पर्यटन के क्षेत्र में कोविड के चलते जो लोग बेरोजगार हो गए हैं उन्हें पंतिमाह ५,००० रुपये, खदान का काम रुकने से पंभावित हुए लोगों को पांच हजार रुपये पंतिमाह देगी। साथ ही ऐलान किया गया है कि अगर सरकार आई तो आप स्किल यूनिवर्सिटी शुरू करेगी। इससे पहले केजरीवाल ने दावा किया था कि गोवा में युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही है और वह स्थानीय लोगों के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए राज्य का दौरा करेंगे। आप नेता ने यह भी दावा किया था कि सरकारी नौकरियां केवल पैसे वालों को और संपर्कों के आधार पर ही मिलती हैं। केजरीवाल ने ट्वीट किया था, 'बेरोजगारी चरम पर होने के कारण गोवा के युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही है। सरकारी नौकरी सिर्फ पैसे वालों को और संपर्कों के आधार मिलती है।' इस महीने की शुरुआत में, आप ने गोवा में बेरोजगारी की समस्या के खिलाफ एक अभियान शुरू किया था और लोगों से उन पार्टियों को वोट नहीं देने को कहा था, जो उन्हें नौकरी देने में विफल रही हैं। गोवा में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में आप अपने उम्मीदवार उतारेगी।

इसी प्रकार पंजाब में आम आदमी पार्टी एक बार फिर पूरी ताकत के साथ चुनावी मैदान में उतर रही है। 2017 के चुनावों में खराब पंदर्शन के बावजूद पार्टी एक बार फिर गोवा, उत्तराखंड और उत्तर पंदेश में लड़ने की तैयारी में है। इन सभी राज्यों में 2022 में वोटिंग होगी। केजरीवाल ने गुजरात में भी पैर जमा लिया है, ये एक और राज्य है, जहां आने वाले दिनों में चुनाव होंगे। उत्तराखंड और उत्तर पंदेश के लिए अपने एजेंडे का ऐलान करके अरविंद केजरीवाल ने बता दिया है कि वे दोनों राज्यों की सियासत को लेकर गंभीर हैं। पार्टी ने दोनों राज्यों के लिए लोकलुभावन वादे किए हैं। रोजगार की कमी वाले पहाड़ी राज्य के लिए केजरीवाल ने 'हर घर रोजगार' कार्यक्रम, बेरोजगार युवाओं के लिए 5,000 रुपये मासिक भत्ता, छह महीने की अवधि में 10,000 सरकारी नौकरियों का सृजन, उत्तराखंड के निवासियों के लिए सरकारी नौकरियों 80 फीसदी आरक्षण का वादे के साथ पंवासी मंत्रालय के गठन का ऐलान किया है। केजरीवाल ने हिंदुत्व में आस्था जताई है। ये सफतौर पर दिखता है, उन्होंने उत्तराखंड को अध्यात्म की वैश्विक राजधानी बनाने का वादा भी किया है। लोकलुभावन वादा? कम से कम ये वोटरों तक पहुंचने का एक तरीका तो है। उत्तर पंदेश के लिए आम आदमी पार्टी ने किसानों के लिए मुफ्त बिजली के साथ अन्य के लिए 300 यूनिट मुफ्त बिजली और बकाये बिल को अलग करने का ऐलान किया है।

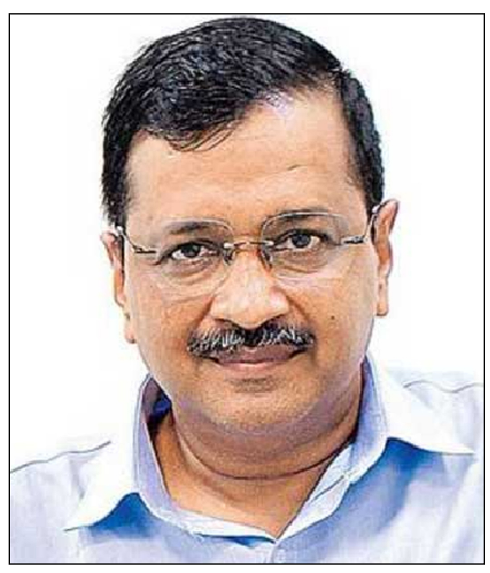

केजरीवाल की सरकार अपने ऊपर लगे आरोपों से भी मुक्त होना चाहती है। दिल्ली में प्रदूषण का आरोप उनकी सरकार पर लगता है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली सरकार 24 सितंबर से पूसा बायो-डीकंपोजर तैयार करना शुरू करेगी और यह पांच अक्टूबर तक धान के खेतों में इस्तेमाल के लिए तैयार हो जाएगा। राय ने यह भी कहा कि केंदीय पर्यावरण मंत्री ने राजधानी के आसपास के राज्यों में पूसा बायो-डीकंपोजर के उपयोग और पंदूषण से संबंधित अन्य मुद्दों पर मुलाकात के लिए उन्हें अब तक समय नहीं दिया है। बता दें कि बायो-डीकंपोजर एक घोल है जो पराली को खाद बना सकता है। राय ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा,`हम 24 सितंबर से पूसा बायो डीकंपोजर तैयार करना शुरू करेंगे और यह पांच अक्टूबर तक तैयार हो जाएगा। हमने इस साल पंक्रिया को आगे बढ़ाया है, ताकि किसानों को अगली फसल के लिए अपने खेतों को तैयार करने के वास्ते अधिक समय मिल सके।'' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल खड़खड़ी नहर में तैयारियां शुरू करेंगे। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) और कृषि विभाग के वैज्ञानिकों की एक टीम इस पंक्रिया की निगरानी करेगी। राय के मुताबिक, पिछले साल के विपरीत, इस बार घोल का उपयोग बासमती चावल के खेतों में भी फसल के ठूंठ को खाद में तब्दील करने के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा, `किसानों ने हमें बताया कि धान की फसल काटने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कंबाइन हार्वेस्टर से बड़ी मात्रा में ठूंठ रह जाता है। इसलिए इस बार जहां भी जरूरत होगी घोल का छिड़काव किया जाएगा।'' इस घोल का इस्तेमाल कम से कम 4,000 एकड़ में किया जाएगा, जिस पर सरकार को 50 लाख रुपये खर्च आएगा। मंत्री ने कहा,`हमने उन किसानों का पंजीकरण करने के लिए 25 सदस्यीय टीम का गठन किया है जो अपने खेतों में घोल का छिड़काव करना चाहते हैं।'' दिल्ली सरकार ने हाल ही में केंर्द के वायु गुणवत्ता पंबंधन आयोग को बायो-डीकंपोजर पर एक ऑडिट रिपोर्ट सौंपी है और केंदीय पर्यावरण मंत्री से दिल्ली के आसपास के राज्यों में इसके उपयोग और पंदूषण से संबंधित अन्य मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मुलाकात का समय मांगा है। राय ने कहा, `हमने केंदीय पर्यावरण मंत्री से मिलने का समय मांगा था, लेकिन हमें अब तक समय नहीं मिला है। अगर (केंर्द) सरकार ने त्वरित कार्रवाई नहीं की तो अन्य राज्यों में पूसा बायोडीकंपोजर के उपयोग की तैयारी समय पर पूरा करना बहुत मुश्किल होगा।''

देश के कई राज्यों में अगले साल 2022 में होने वाले विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी पूरी ताकत के साथ चुनावी मैदान में उतरने की तैयारियों में जुटी हुई है। आम आदी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल इन राज्यों में न केवल बेरोजगारी के मुद्दों पर युवाओं पर खास फोकस बनाए हुए है। बल्कि बिजली और पानी जैसे मुद्दों को भी दिल्ली की तर्ज पर दूसरे राज्यों में भुनाने की कोशिश में जुटी हुई है। उत्तराखंड के बाद अब पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल गोवा में युवाओं के साथ संवाद स्थापित करेंगे। पार्टी इस बार इन राज्यों में अपना वर्चस्व कायम करने के लिए कोर कसर छोड़ने के मूड़ में नहीं है। गोवा में अरविंद केजरीवाल युवाओं के साथ बेरोजगारी के मुद्दे पर संवाद कर चुके हैं। सीएम केजरीवाल की ओर से ट्वीट कर जानकारी दी गई कि बेरोजगारी चरम पर होने के कारण गोवा के युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही है। सरकारी नौकरी सिर्फ पैसे और कनेक्शन वाले लोगों को ही मिलती है। इससे पहले भी अरविंद केजरीवाल जुलाई माह में गोवा का दौरा कर चुके हैं। वहीं गत दिनों दिल्ली के ऊर्जा मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ नेता सत्येंर्द जैन ने भी गोवा का दौरा किया था और केजरीवाल गवर्नेंस मॉडल पर एक टीवी डिबेट में खुलकर चर्चा की थी। साथ ही सत्ता रूढ़ गोवा सरकार में ऊर्जा मंत्री को खुली चुनौती भी दी थी कि अगर हम सत्ता में आते हैं तो यहां की जनता को दिल्ली की तर्ज पर 300 यूनिट तक बिजली मुफ्त देंगे। वहीं, दिल्ली सीएम केजरीवाल गोवा में रही कांग्रेस व भाजपा सरकारों पर भी कड़ा पंहार करते हुए कह चुके हैं कि गोवा के लोगों ने पिछले चुनावों में कांग्रेस का चयन किया था लेकिन सरकार भाजपा ने बनाई क्योंकि कांग्रेस के विधायक भाजपा में शामिल हो गए। ये गोवा के लोगों के साथ धोखा है। इस प्रकार अरविन्द केजरीवाल भाजपा का विकल्प बनने की तरफ बढ़ रहे हैं। **(हिफी)**

सेल्फी लेने आए फैन पर अब्राहम बिफरे

जॉन अब्राहम भले ही इन दिनों फिल्मों से दूर हों, लेकिन अपने फैन्स के दिलों पर वे अब भी राज करते हैं। जॉन अपनी एक्टिंग का लोहा तो मनवा ही चुके हैं, वहीं फिटनेस के मामले में भी वे लोगों को खूब इंस्पायर करते हैं। जॉन अब्राहम वैसे तो हर जगह बड़े ही कूल दिखते हैं और फैन्स के साथ बहुत अदब से पेश आते हैं, लेकिन एक्टर का एक थ्रो बैक पुराना वीडियो देखने के बाद लोगों के होश उड़ गए हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म यू-ट्यूब पर जॉन का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे अपने फैन के साथ बदसलूकी करते दिख रहे हैं। जॉन इस वीडियो में उनके साथ सेल्फी लेने आए एक फैन को धक्का मारकर नीचे गिरा देते हैं। फैन के साथ जॉन का ये बिहेवियर लोगों को पसंद नहीं आया है और वे एक्टर को उनकी इस हरकत के लिए खरी खोटी सुना रहे हैं। एक सोशल मीडिया यूजर ने वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा है, 'मुझे तो समझ नहीं आता लोग इन्हें इतना भाव क्यों देते हैं। तो वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा है, इस वीडियो को देखने के बाद जॉन ने अपना एक फैन खो दिया है। मुझे लगता था वो डाउन टू अर्थ हैं। ***(हिफी)***

आज की कहानी

चमत्कार

बरसात का मौसम था। एक बैलगाड़ी कच्ची सड़क पर जा रही थी। यह बैलगाड़ी श्यामू की थी। वह बड़ी जल्दी में था। हल्की-हल्की वर्षा हो रही थी। श्यामू वर्षा के तेज होने से पहले घर पहुँचना चाहता था। बैलगाड़ी में अनाज के बोरे रखे हुए थे। बोझ काफी था इसलिए बैल भी ज्यादा तेज़ नहीं दौड़ पा रहे थे। अचानक बैलगाड़ी एक ओर झुकी और रूक गई। हे भगवान, ये कौन-सी नई मुसीबत आ गई अब! श्यामू ने मन में सोचा। उसने उतरकर देखा। गाड़ी का एक पहिया गीली मिट्टी में धँस गया था। सड़क पर एक गड्ढा था, जो बारिश के कारण और बड़ा हो गया था। आसपास की मिट्टी मुलायम होकर कीचड़ जैसी हो गई थी और उसी में पहिया फँस गया था। श्यामू ने बैलों को खींचा और खींचा फिर पूरी ताक़त से खींचा। बैलों ने भी पूरा ज़ोर लगाया लेकिन गाड़ी बाहर नहीं निकल पाई।

श्यामू को बहुत गुस्सा आया। उसने बैलों को पीटना शुरू कर दिया। इतने बड़े दो बैल इस गाड़ी को बाहर नहीं निकाल पा रहे हैं, यह बात उसे बेहद बुरी लग रही थी। हारकर वह जमीन पर ही बैठ गया। उसने ईश्वर से कहा,हे ईश्वर! अब आप ही कोई चमत्कार कर दो, जिससे कि यह गाड़ी बाहर आ जाए।

तभी उसे एक आवाज़ सुनाई दी, श्यामू! ये तू क्या कर रहा है ?अरे, बैलों को पीटना छोड़ और अपने दिमाग का इस्तेमाल कर। गाड़ी में से थोड़ा बोझ कम कर। फिर थोड़े पत्थर लाकर इस गड्ढे को भर। तब बैलों को खींच। इनकी हालत तो देख। कितने थक गए हैं बेचारे!

श्यामू ने चारों ओर देखा। वहाँ आस-पास कोई नहीं था। श्यामू ने वैसा ही किया, जैसा उसने सुना था। पत्थरों से गड्ढा थोड़ा भर गया और कुछ बोरे उतारने से गाड़ी हल्की हो गई।

श्यामू ने बैलों को पुचकारते हुए खींचा - ज़ोर लगा के और एक झटके के साथ बैलगाड़ी बाहर आ गई। वही आवाज़ फिर सुनाई दी, देखा श्यामू, यह चमत्कार ईश्वर ने नहीं, तुमने खुद किया है।

शिक्षा- ईश्वर भी उनकी ही मदद करते हैं, जो अपनी मदद खुद करते हैं।

मंगलमय प्रभात
स्नेह वंदन, प्रणाम